सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

पेंशनर घर बैठे भी मोबाइल ऐप के माध्यम से बनवा सकेंगे डिजिटल पेज: 3

फिल्म ओम में दमदार पुलिस अफसर के किरदार में पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 206 | शनिवार 31 अक्टूबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

दो नाबालिग लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश का आरोप, 3 गिरफ्तार

गिर सोमनाथ, एजेंसी। जिले के कोडीनार की दो नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर मेहसाणा जिले के ऊंझा तालुका स्थित उनावा गांव ले जाने और कथित तौर पर धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश का मामला सामने आया है। आरोप है कि दोनों को मीरा दातार दरगाह में तीन दिन तक रखा गया। इस दौरान बुर्का पहनाने, नाम बदलने और एक लड़की की शादी कराने की तैयारी की गई। मामले में कोडीनार पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी फरार है। पुलिस के मुताबिक, कोडीनार इलाके की दोनों लड़कियों के लापता होने पर परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सर्विलांस की मदद से तलाश शुरू की। जांच में दोनों की लोकेशन उनावा गांव में मिली। इसके बाद कोडीनार पुलिस स्थानीय पुलिस की मदद से मीरा दातार दरगाह पहुंची, जहां दोनों लड़कियां बुर्के में मिलीं।

जमानत रद्द होने पर अनंत सिंह बोले– अदालत में करुंगा सरेंडर

पटना। दुलारचंद यादव हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट से जमानत रद्द होने के बाद मोकामा के विधायक अनंत सिंह ने कहा है कि वह अदालत के आदेश का पालन करते हुए सरेंडर करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर भरोसा है और अदालत जहां तथा जब कहेगी, वह आत्मसमर्पण कर देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें एक दिसंबर तक सरेंडर करने का निर्देश दिया है। अनंत सिंह ने कहा कि वह किसी अन्य व्यक्ति के पास नहीं, बल्कि सीधे अदालत में पेश होंगे। उन्हें उम्मीद है कि न्यायालय से दोबारा जमानत मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि जेडीयू के नेता उनसे अब भी मिल रहे हैं, जबकि उनके बेटे के चुनाव लड़ने को लेकर फैसला बाद में होगा। पार्टी से निकाले जाने के सवाल पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। विधायक ने जेडीयू के नवनिर्वाचित एमएलसी नीरज कुमार पर दुलारचंद यादव की हत्या करवाने का आरोप लगाया। उनका दावा है कि घटना के समय वह घटनास्थल से करीब पांच किलोमीटर दूर थे और उन्हें इसकी जानकारी बाद में मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि नीरज कुमार ने उनके खिलाफ मामला अदालत तक पहुंचाया। ये आरोप अनंत सिंह ने लगाए हैं; इनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

कम दृश्यता के कारण रांची एयरपोर्ट पर उड़ाने प्रभावित, चार उड़ाने लेट और एक हुई रद्द

रांची। कम दृश्यता के कारण शुक्रवार सुबह बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उड़ाने प्रभावित रहीं। इसका असर विमानों के आगमन और प्रस्थान दोनों पर पड़ा। सुबह से ही एयरपोर्ट पर यात्रियों की परेशानी बढ़ गई। रांची से कई शहरों के लिए जाने वाले यात्री भी उड़ानों के परिचालन को लेकर असमंजस में रहे। वहीं दूसरे शहरों से रांची आने वाले चार विमान तय समय पर नहीं पहुंच सके। इस कारण यात्रियों को एयरपोर्ट पर ही इंतजार करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक सुबह 7:15 बजे दिल्ली से रांची आने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6E 2039 विलंबित रही। इसके बाद सुबह 7:30 बजे पुणे से आने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6E 6484 भी निर्धारित समय पर नहीं पहुंची। सुबह 9:20 बजे दिल्ली से रांची आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या आईएक्स 1046 और सुबह 9:30 बजे बेंगलुरु से आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या आईएक्स 1239 भी विलंबित रही। वहीं सुबह 8:15 बजे कोलकाता से रांची आने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6E 7461 रद्द रही। हालांकि, इस उड़ान के रद्द होने की सूचना यात्रियों को पहले ही दे दी गई थी। इस कारण संबंधित उड़ान के यात्री एयरपोर्ट नहीं पहुंचे। फिलहाल दिल्ली, पुणे और बेंगलुरु से आने वाली फ्लाइट अपनी उड़ान रांची लिए भरी। दूसरी ओर कम दृश्यता के कारण सुबह से विमान परिचालन प्रभावित होने से यात्रियों को अपनी यात्रा के लिए इंतजार करना पड़ा।

बनासकांठा के किसान खुद आलू को सोना बना रहे हैं, पीएम मोदी का राहुल गांधी पर तंज

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि गुजरात के बनासकांठा जिले के किसानों ने इस क्षेत्र को आलू उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र बना दिया है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत नहीं है, जो आलू से सोना बनाने का वादा करे, क्योंकि वे अपने काम के जरिए पहले से ही ऐसा कर रहे हैं। क्षेत्र की कृषि प्रगति का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नर्मदा के पानी की उपलब्धता और ड्रिप सिंचाई जैसी आधुनिक सिंचाई पद्धतियों को अपनाने से बनासकांठा का कृषि परिदृश्य बदल गया है। उन्होंने भीलड़ी में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, बनासकांठा के आलू अब पूरी दुनिया में मशहूर हैं। किसी को यहां आकर यह कहने की जरूरत नहीं है कि वे आलू से सोना बना देंगे। यहां के लोग खुद कह सकते हैं कि वे पहले से ही ऐसा कर रहे हैं। गौरतलब हो, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 12 नवंबर, 2017 को पाटन जिले में अपने भाषण में आलू अंदर, सोना बाहर का जिक्र किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने सनादर स्थित आलू प्रसंस्करण संयंत्र के विस्तार का भी जिक्र किया, जहां फ्रेंच फ्राइज बनाए जाते हैं। उन्होंने कहा, विस्तार से संयंत्र की क्षमता बढ़ेगी और किसानों से अधिक आलू खरीदे जा सकेंगे। उम्मीद है कि यह सुविधा कृषि उत्पादन को खाद्य प्रसंस्करण से जोड़कर आलू उत्पादकों के लिए एक अतिरिक्त बाजार उपलब्ध कराएगी। यह विस्तार प्रधानमंत्री मोदी की बनासकांठा यात्रा के दौरान उद्घाटन की गई परियोजनाओं में से एक था। उन्होंने बनास डेयरी सहकारी समिति की भूमिका पर भी प्रकाश डाला और कहा कि इसका काम गुजरात से आगे बढ़कर देश के अन्य हिस्सों में सहकारी आंदोलन में योगदान दे रहा है, जिसमें उनका संसदीय क्षेत्र वाराणसी भी शामिल है। उन्होंने कहा, ह्वडेयरी के अनुभव और सेवाओं से उनके निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को भी लाभ हुआ है। प्रधानमंत्री ने सरकार के बागवानी क्लस्टर विकास कार्यक्रम का जिक्र किया, जिसके तहत टमाटर, आलू, मिर्च, अंगूर, केला, प्याज, संतरा, अनार और कोकोआ सहित फसलों के लिए 12 क्लस्टर स्वीकृत किए गए हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को नए बाग लगाने और मौजूदा बागों को पुनर्जीवित करने में सहायता करना है, जिसके लिए सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है। इनमें से दो क्लस्टर उत्तरी गुजरात में हैं और इनसे बनासकांठा और साबरकांठा के आलू किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। ये परियोजनाएं बागवानी को बढ़ावा देने और किसानों के लिए मूल्य श्रृंखला को बेहतर बनाने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा हैं, जिसके तहत खेती को प्रसंस्करण और बाजारों से जोड़ा जाएगा।

प्रधानमंत्री ने सरकार के बागवानी क्लस्टर विकास कार्यक्रम का जिक्र किया, जिसके तहत टमाटर, आलू, मिर्च, अंगूर, केला, प्याज, संतरा, अनार और कोकोआ सहित...

प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों से पानी और बिजली बचाने का भी आग्रह किया और याद दिलाया कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने शुरूआती वर्षों में जब उन्होंने किसानों से इन संसाधनों का सावधानीपूर्वक उपयोग करने को कहा था, तब उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, ह्वनर्मदा के पानी की उपलब्धता और सूक्ष्म सिंचाई ने पहले की बाधाओं को दूर करने में मदद की है और क्षेत्र की कृषि संभावनाओं को बदल दिया है।

अगले छह महीनों में भारत में करीब 55,000 लोगों की जा सकती है जान

क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब ने अल नीनो हीट मॉर्टेलिटी ट्रैकर ने गंभीर चेतावनी जारी की

नई दिल्ली , एजेंसी। क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब द्वारा विकसित अल नीनो हीट मॉर्टेलिटी ट्रैकर ने एक गंभीर चेतावनी दी है कि सुपर अल नीनो के कारण अगले छह महीनों में भारत में करीब 55,000 लोगों की जान जा सकती है। यह नया टूल, जो सुपर अल नीनो के कारण वैश्विक स्तर पर बदलते बारिश के पैटर्न और बढ़ते तापमान के बीच तैयार किया गया है, अल नीनो से होने वाली गर्मी से मानव जीवन पर पड़ने वाले खतरों का अनुमान लगाता है। यह ट्रैकर हर महीने के अपडेट देता है, जिसमें अगले छह महीनों तक होने वाली संभावित मौतों का विस्तृत अनुमान शामिल है। जून 2026 में अल नीनो की शुरुआत के बाद से, यह टूल गर्मी की वजह से हुई मौतों की संख्या को लगातार ट्रैक कर रहा है। यह दुनिया भर के राज्यों और क्षेत्रों का डेटा उपलब्ध कराकर उन सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों की पहचान करने में मदद करता है, जहां संसाधनों की सबसे ज्यादा जरुरत है और जहां लोगों की जान बचाई जा सकती है। मार्च 2027 तक के ताजा डेटा के मुताबिक अल नीनो के चलते बढ़ी गर्मी से कुल करीब 8,57,000 मौतें हो सकती हैं, जिनमें से करीब 3,73,000 मौतें अगले छह महीनों के दौरान होने का अनुमान है। क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के सह-संस्थापक और यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में अर्थशास्त्र के मिल्टन फ्रीडमैन डिस्टिंग्विश्ड सर्विस प्रोफेसर माइकल ग्रीनस्टोन ने इस शोध के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उनका शोध नई पूर्वानुमान क्षमताओं का उपयोग करके एक बहुत ही आवश्यक प्रश्न का उत्तर देता है कि भीषण गर्मी के कारण कहां लोगों की जान जा सकती है। उनका मानना है कि भीषण गर्मी के जानलेवा असर का पहले से अनुमान लगा पाना एक बड़ा कदम है, जिसका मतलब है कि हम लोगों को सबसे अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं और जान जाने से पहले आवश्यक कदम उठा सकते हैं। ट्रैकर के मुताबिक अल नीनो के चलते गर्मी से सबसे ज्यादा होने वाली मौतें विकासशील देशों में होंगी। अगले छह महीनों के ताजा डेटा के मुताबिक नाइजीरिया में सबसे ज्यादा मौतें होने की आशंका है, जहां करीब 56,000 लोगों की जान जा सकती है। इसके बाद भारत का नंबर आता है, जहां गर्मी से करीब 55,000 मौतें हो सकती है, जिनमें से ज्यादातर मौतें मार्च 2027 के महीने में होने का अनुमान है। दक्षिण-पूर्व एशिया भी एक बड़ा हॉटस्पॉट बना हुआ है, जहां इंडोनेशिया में अल नीनो की गर्मी के कारण करीब 29,000 लोगों की जान जाने का अनुमान है, वहीं ब्राजील में भी हर महीने गर्मी से होने वाली मौतें औसत से ज्यादा रहने का अनुमान है।

यूसीसी लागू करने के लिए नियम तैयार करने असम सरकार ने की समिति गठित

गुवाहाटी , एजेंसी। असम सरकार ने राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए नियम तैयार करने एक समिति गठित की है। राजनीतिक विभाग की ओर से जारी एक अधिसूचना से यह जानकारी दी गई। अधिसूचना के मुताबिक आठ सदस्यीय समिति एक महीने के अंदर नियमों का मसौदा सौंप देगी। असम विधानसभा ने 27 मई को 'समान नागरिक संहिता, असम, 2026 विधेयक' पारित किया था। इसका मकसद एक ऐसा समान कानूनी ढांचा तैयार करना है, जो धर्म की परवाह किए बिना विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और सह-जीवन साथी से जुड़े मामलों को नियंत्रित करे। गृह एवं राजनीतिक विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अजय तिवारी ने 13 अक्टूबर के अपने आदेश में कहा था कि विधेयक को राष्ट्रपति की सहमति के लिए केंद्र सरकार के पास भेज दिया गया है। यह आदेश गुरुवार को मीडिया को उपलब्ध कराया। अधिसूचना के मुताबिक गृह एवं राजनीतिक विभाग के सचिव देव प्रसाद मिश्रा समिति के अध्यक्ष होंगे। इसमें कहा गया है कि समिति के सदस्यों में वित्त विशेष आयुक्त और सचिव पार्थ प्रतिम मजूमदार, विधायी सचिव गीतांजलि डी सैकिया, अल्पसंख्यक कल्याण एवं विकास सचिव फरीदा शम्सुल और गृह एवं राजनीतिक मामलों के अतिरिक्त सचिव मृदुल कुमार दास शामिल हैं। असम मई में उत्तराखंड और गुजरात के बाद यूसीसी विधेयक पारित करने वाला तीसरा राज्य बन गया था।

प्रदीप पूर्णेकर की हत्या के मुख्य साजिशकर्ताओं को संरक्षण दे रही महाराष्ट्र सरकार

- आदित्य ठाकरे ने लगाए आरोप, कहा– न्याय नहीं मिला तो निकालेंगे विशाल मोर्चा

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार पर पार्टी नेता प्रदीप पूर्णेकर की हत्या के मुख्य साजिशकर्ताओं को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। शिवसेना (यूबीटी) के मानपाडा वार्ड प्रमुख प्रदीप पूर्णेकर की 29 सितंबर को हत्या कर दी गई थी। उन्हें पहले गोली मारी गई और फिर धारदार हथियारों से हमला किया गया। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में वर्ली के विधायक आदित्य ठाकने ने कहा कि प्रदीप पूर्णेकर की हत्या स्पष्ट रूप से राजनीतिक हत्या है। संदिग्धों के सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध होने के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे आरोपियों और मुख्य साजिशकर्ताओं को क्यों बचा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला, तो ठाणे में एक विशाल मोर्चा निकाला जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आदित्य ठाकरे ने सवाल उठाया कि ऐतिहासिक रूप से बिहार को खराब शासन के उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जाता था, लेकिन ठाणे में स्थिति इस हद तक बिगड़ गई है कि लोग यह कहने पर मजबूर हैं कि बिहार इससे बेहतर है। जब पूर्णेकर का बेटा राम प्रभारी मंत्री एकनाथ शिंदे से मिलना चाहता था, तो उसे हिरासत में ले लिया गया। जेड श्रेणी की सुरक्षा होने के बावजूद प्रभारी मंत्री इतने डरे हुए क्यों हैं?' वहीं, संजय राउत ने दावा किया कि महाराष्ट्र ने देवेंद्र फडणवीस जैसा कमजोर मुख्यमंत्री कभी नहीं देखा। उन्होंने कहा कि ठाणे की स्थिति बीड से भी बदतर है।

भारत-श्रीलंका के युद्धपोतों और नौसेना संयुक्त रुप से किया समुद्री अभ्यास

-इसका मकसद दोनों देशों के नौसैनिकों को एक-दूसरे के अनुभवों से परिचित कराना

नई दिल्ली, एजेंसी । भारतीय नौसेना के युद्धपोतों ने श्रीलंकाई नौसेना के साथ एक अहम समुद्री अभ्यास भी किया है। इस नौसैनिक अभ्यास में भारत के तीन बड़े समुद्री जहाज शामिल हुए। नौसेना के आईएनएस तीर, आईएनएस सुजाता और भारतीय तटरक्षक जहाज आईसीजीएस सारथी इस अभियान का हिस्सा थे। इस दौरान दोनों नौसेनाओं ने समुद्र में अभ्यास किया। इससे एक-दूसरे के साथ तालमेल बढ़ाने और मिलकर समुद्री अभियान चलाने की क्षमता को मजबूत करने में मदद मिली।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभियान में शामिल यह भारतीय नौसेना का पहला प्रशिक्षण स्क्वाड्रन है। नौसेना के मुताबिक 29 अक्टूबर को श्रीलंका के कोलंबो से सफल दौरा पूरा कर पहला प्रशिक्षण स्क्वाड्रन आगे रवाना हुआ। कोलंबो में इस दौरे का मकसद सिर्फ नौसैनिक संबंधों को मजबूत करना ही नहीं, बल्कि दोनों देशों के नौसैनिकों को एक-दूसरे के अनुभवों और कार्यप्रणाली से परिचित कराना भी था। प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के वरिष्ठ अधिकारी ने तीनों जहाजों के कमांडिंग अधिकारियों के साथ श्रीलंका नौसेना के पश्चिमी नौसैनिक क्षेत्र के कमांडर से मुलाकात की। इस बातचीत में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और समुद्री साझेदारी को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

भारतीय नौसेना के जवानों ने कोलंबो में समुद्र तट की सफाई अभियान में हिस्सा लिया। इसके अलावा, तीनों जहाजों को स्थानीय लोगों और श्रीलंका में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों के लिए खोला गया। लोगों को जहाजों पर पहुंचकर नौसैनिकों से बातचीत करने और भारतीय नौसेना की प्रशिक्षण एवं परिचालन गतिविधियों को करीब से जानने का मौका मिला। कोलंबो से विदाई के समय संयुक्त समुद्री अभ्यास हुआ। यह इस दौरे का अहम पड़ाव रहा। भारतीय जहाजों और श्रीलंका के एसएलएनएस विजयबाहु ने पैसेक्स अभ्यास में हिस्सा लिया। यह दौरा भारत और श्रीलंका के बीच मजबूत समुद्री साझेदारी का एक और उदाहरण बना। साथ ही दोनों देशों ने क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा, आपसी सहयोग और नौसैनिक क्षमता निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। नौसेना के मुताबिक यह भारत की महासागर परिकल्पना के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य कई इलाकों में सुरक्षा और विकास को साझा प्रयासों से आगे बढ़ाना है।

खड़गे और प्रियंका गांधी ने चक्रवात अर्नब से तबाही पर जताई चिंता

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने आंध्र प्रदेश में चक्रवात अर्नब से हुई तबाही और ओडिशा में भारी बारिश व बाढ़ से पैदा हुए हालात पर चिंता जताई है। दोनों नेताओं ने प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से राहत एवं बचाव कार्यों में सहयोग करने और जरूरतमंदों की हरसंभव मदद करने की अपील की है। प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर दोनों राज्यों में खराब मौसम से प्रभावित लोगों के प्रति एकजुटता जताई। उन्होंने कहा कि उनकी संवेदनाएं आंध्र प्रदेश में चक्रवात से तबाही झेल रहे लोगों और ओडिशा में भारी बारिश तथा बाढ़ से प्रभावित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने सभी की सुरक्षा की कामना करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से राहत और बचाव प्रयासों में सक्रिय सहयोग करने का आग्रह किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी आंध्र प्रदेश में जान-माल के नुकसान और ओडिशा में जनजीवन प्रभावित होने पर दुख जताया। उन्होंने केंद्र सरकार से राज्य सरकारों के साथ समन्वय बनाकर राहत और पुनर्वास कार्य तेज करने की अपील की। खड़गे ने कहा कि प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इसके लिए पीएम केयर्स फंड के माध्यम से भी मदद सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संकट में फंसे लोगों की सहायता करने को कहा।

योगी आदित्यनाथ ही होंगे 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का चेहरा !

लखनऊ , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी में दिल्ली से लेकर लखनऊ तक चल रहे शह और मात के खेल के बीच संभवतः पार्टी को अब यह समझ आ गया है कि उत्तर प्रदेश में पार्टी की नैया योगी आदित्यनाथ के सहारे ही चुनावी वैतरणी पार कर सकेगी। इसीलिए तमाम विरोधाभासों के बीच पार्टी ने साफ कर दिया है कि 2027 में होने वाले उप्र विधानसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ का ही नेतृत्व रहेगा।

उप्र भाजपा के नए प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने विधानसभा कार्य समिति के बाद चुनाव को लेकर अपना रूख साफ किया। उन्होंने कहा कि पार्टी 365 दिन लगातार अपनी जनता के लिए एक्टिव है। उन्होंने मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर चल रही अटकलों पर पूरी तरह से विराम लगा दिया। अमित शाह के इशारों को पुख्ता करते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी 2027 का विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। पार्टी उनके कामकाज और विकास मॉडल को चुनावी अभियान का प्रमुख आधार बनाएगी।

2027 के चुनाव के लिए बीजेपी ने संगठन और चुनावी प्रबंधन को मजबूत करने के उद्देश्य से 4-सी रणनीति पर काम शुरू किया है। इसमें ओआरडीनेशन (समन्वय), कैडर, कास्ट (जातिगत समीकरण) और कैंडीडेचर (उम्मीदवार चयन) को प्रमुख आधार बनाया गया है। विनोद तावड़े ने संकेत दिया कि पार्टी का जोर बड़े-बड़े स्वागत समारोहों, होर्डिंग्स और दिखावे की राजनीति के बजाय जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर रहेगा। बूथ मैनेजमेंट, कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय और कैडर की सक्रियता को चुनावी तैयारी का अहम हिस्सा बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी लगातार बुथ लेवल से लेकर प्रदेश लेवल तक अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी हुई है और उनकी हर परेशानियों को दूर करेगी। समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) फॉर्मूले पर भी विनोद तावड़े ने निशाना साधा। उन्होंने पीडीए की अपनी व्याख्या करते हुए इसे 'पराया धन अपना' बताया। बीजेपी का दावा है कि वह विपक्ष के जातिगत समीकरणों का मुकाबला विकास और पारदर्शी गवर्नेंस के मुद्दे पर करेगी।

संपादकीय

बेजार हुआ बाजार

वैश्विक बाजार में जारी उथल-पुथल तथा कई युद्धों से बेदम होती अर्थव्यवस्था में स्वदेशी उद्योगों पर कितने गंभीर प्रभाव पड़ रहे हैं, उसकी बानगी देश-दुनिया में विख्यात पानीपत के कंबल उद्योग के खस्ता हालात में दिखती है। देश में कंबल उत्पादन का यह प्रमुख केंद्र फिलहाल गंभीर आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। अब जब सर्दियों के लिये कंबलों की खरीद का सीजन पीक पर है,यहां घरेलू बिक्री में पचास फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई है। निस्संदेह, यह मंदी उस टेक्सटाइल क्लस्टर की कमजोरी को उजागर करती है, जिसने बड़े पैमाने पर उत्पादन के बूते देश-विदेश में अपनी प्रतिष्ठा बनायी थी। भले ही आर्थिक विकास की तीव्र दर के दावों को लेकर नेता गाल बजाते रहें, लेकिन कंबल उद्योग के आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। यह उद्योग खाड़ी युद्ध, मौसमी उतार-चढ़ाव व विषम आर्थिक परिस्थितियों में उपभोक्ताओं की घटती क्रयशक्ति, बढ़ती लागत आदि अनेक कारकों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। एक बड़ी वजह उत्पादन लागत का बढ़ना भी है। मसलन पॉलिएस्टर धागे की कीमत पिछले साल के मुकाबले काफी बढ़ गई है। कंबल उद्योग से जुड़े उद्यमी बताते हैं कि ऑर्डर कम आने से बिना बिके माल का स्टॉक बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते कंबलों के उत्पादन में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आ गई है। वहीं दूसरी ओर भुगतान श्रृंखला भी गड़बड़ा गई है। जो भुगतान एक-सवा महीने में आ जाता था, वह औसत समय दो माह का हो चला है। जिससे कार्यशील पूंजी पर दबाव बढ़ रहा है। फलतः उत्पादक खुद को मुश्किल स्थिति में फंसा पा रहे हैं। ऐसे में यदि उद्यमी बढ़ी हुई लागत का बोझ खुद वहन करते हैं तो उनका मुनाफा कम हो जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि वे उत्पाद की कीमत बढ़ाते हैं तो कीमत के प्रति संवेदनशील ग्राहक के दूर होने की चिंता बन जाती है। पानीपत का कंबल उद्योग फिलहाल जिस संकट से गुजर रहा है, उसके प्रभाव व्यापक हैं। निस्संदेह, पानीपत के कपड़ा उद्योग से हजारों बुनकरों, श्रमिकों, व्यापारियों, परिवहनकर्ताओं और अन्य सहायक व्यवसायों का जुड़ाव होता है। यदि उद्योग में लंबे समय तक मंदी की स्थिति बनी रहती है, तो हजारों लोगों की जीविका पर असर पड़ेगा। खासकर, कंबलों की घरेलू आपूर्ति से जुड़ा क्षेत्र। इसके अलावा यह पुनर्चक्रण आधारित कपड़ा उद्योग का भी केंद्र है। जहां, अनुपयोगी कपड़ों को व्यावसायिक रूप से उपयोगी बनाने की क्षमता सर्वाधिक है।

चिंतन-मनन

मरने के बाद कहां जाता है इंसान

सभी धर्मों में पुनर्जन्म की बात कही गयी है, यानी एक शरीर को छोड़ने के बाद इंसान दूसरे शरीर में प्रवेश करता है। लेकिन मृत्यु के बाद से पुनर्जन्म लेने तक जीव कहां रहती है यह एक बड़ा सवाल है। भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता में कहा है कि आत्मा न तो जन्म लेती है और न मरती है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर जीव के मरने के बाद आत्मा कहां जाती है। इसका उत्तर आप जरूर जानना चाहते होंगे। 18 पुराणों में से गरूड़ पुराण ही एक ऐसा पुराण है जिसमें इस प्रश्न का उत्तर दिया गया है। इस पुराण में कहा गया है कि मृत्यु के बाद जीवात्मा को शरीर से निकाल कर ले जाने के लिए दो यमदूत आते हैं। जो व्यक्ति अपने जीवन काल में अच्छे कर्म करते हैं उनकी आत्मा शरीर से आसानी से निकल जाती है। जिनका अपने शरीर से मोह नहीं जाता है और जीवन काल में अच्छे कर्म नहीं करते हैं उन्हें यमदूत जबरदस्ती खींच कर अपने साथ ले जाते हैं। शरीर से निकलने के बाद आत्मा अंगूठे के आकार का बन जाता है।

यह दिखने में उसी प्रकार का होता है जैसा मृत व्यक्ति दिखने में होता है। इस आत्मा को लेकर यमदूत यमराज के पास जाते हैं। यहां उसे 24 घंटे रखा जाता है और जीवन काल में उसके द्वारा किये गये अच्छे बुरे कर्मों को दिखाया जाता है। इसके बाद आत्मा को पुनः उसी स्थान पर लाकर रख दिया जाता है जहां से यमदूत उसे लेकर जाते हैं। 13 दिनों तक इस स्थान पर रहकर आत्मा अपने शरीर का अंतिम संस्कार देखता है। इसके बाद यमदूत उसे अपने साथ लेकर पुनः यमलोक की ओर चलते हैं। इस रास्ते में आत्मा को यम की भयानक नगरी के दर्शन कराये जाते हैं। इस रास्ते में आत्मा को कई प्रकार की भयानक यतानाएं सहनी पड़ती है। एक साल तक इस रास्ते में चलते हुए जीवात्मा यमलोक पहुंचती है। यहां यमराज व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार नर्क, स्वर्ग अथवा दूसरी योनियों भेजते हैं। यहीं पर तय होता है कि व्यक्ति को दूसरा जन्म कब मिलेगा। जो लोग धर्मात्मा होते हैं उन्हें यमलोक की यात्रा नहीं करनी पड़ती है। ऐसे लोगों के लिए विमान आता है जिसमें बैठकर आत्मा विष्णु लोक चली जाती है। जिन्हें विष्णु लोक में स्थान मिल जाता है उन्हें पुनः जन्म नहीं लेना पड़ता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

पीओके में पाक सेना के खिलाफ उबाल जनता की आवाज दबाने के आरोपों से बढ़ा तनाव

कांतिलाल मांडोत

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जनआंदोलन अब केवल महंगाई, सस्ते आटे और बुनियादी सुविधाओं तक सीमित नहीं रह गया है। साढ़े चार महीने से जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच जनता और पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान के बीच टकराव की स्थिति गंभीर होती दिखाई दे रही है। मुजफ्फराबाद से लेकर कोटली, रावलाकोट और पुंछ तक लोगों में नाराजगी बढ़ने की खबरें हैं। आंदोलनकारियों का आरोप है कि उनकी मांगों को सुनने और समस्याओं का समाधान करने के बजाय सड़कों पर बंदिशें लगाई जा रही हैं तथा विरोध की आवाज दबाने की कोशिश हो रही है। अवामी आंदोलन के जुलूस पर गोलीबारी और लोगों के घायल होने की खबरों ने स्थिति को और तनावपूर्ण बना दिया है। सवाल यह है कि जिस जनता को सस्ती रोटी, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और सुगम आवागमन चाहिए, उसकी मांगों का जवाब टकराव से क्यों दिया जा रहा है?

पीओके में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन को लेकर पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की भूमिका पर भी गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। आंदोलन को कमजोर करने के लिए जम्मू-कश्मीर यूनाइटेड मूवमेंट नामक संगठन के इस्तेमाल और उसके माध्यम से प्रदर्शनकारियों के सामने गतिरोध पैदा करने के आरोप सामने आए हैं। रिपोर्ट में इस संगठन के साथ लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े लोगों के संबंध होने का भी दावा किया गया है। मुजफ्फराबाद में इस संगठन के बैनर तले निकले जुलूस के दौरान अवामी समर्थकों पर गोलीबारी होने तथा कुछ लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की बात कही गई है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। यदि किसी शांतिपूर्ण आंदोलन को बाधित करने के लिए हथियारबंद लोगों का इस्तेमाल किया गया है, तो यह कानून-व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत गंभीर मामला है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जनता की मूलभूत जरूरतें अब राजनीतिक और प्रशासनिक टकराव का रूप लेती दिखाई दे रही हैं। लोगों ने पाकिस्तानी सरकार से सस्ता आटा मांगा था, लेकिन उन्हें सड़कों पर बंदिशों का सामना करना पड़ा। उनका कहना है कि आवागमन बाधित होने से परिवारों के लिए रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो गया है। महंगाई से जूझ रहे परिवारों के लिए भोजन जुटाना पहले ही चुनौती है। ऐसे में यदि परिवहन और आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होती है, तो सबसे ज्यादा परेशानी गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को उठानी पड़ती है। शासन की पहली जिम्मेदारी जनता की समस्याओं का समाधान करना है, न कि ऐसी परिस्थितियां पैदा करना जिनमें लोगों की मुश्किलें और बढ़ जाएं। लोगों ने स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर गंभीर चिंता जताई है। कई लोगों को अस्पताल में इलाज नहीं मिल पाया, क्योंकि पीओके से इस्लामाबाद जाने वाले मार्ग बंद था। लोग क्षेत्र में पर्याप्त अस्पतालों की कमी का भी उल्लेख कर रहे है। यह शिकायत उस प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाती है, जिसमें गंभीर मरीजों के लिए समय पर इलाज तक पहुंचना कठिन हो सकता है। सड़कें केवल यातायात के साधन नहीं होतीं, बल्कि वे अस्पताल, शिक्षा, रोजगार और व्यापार से जुड़ने की जीवनरेखा होती हैं। यदि सुरक्षा प्रतिबंधों के कारण आम नागरिकों की आवाजाही प्रभावित होती है, तो प्रशासन को वैकल्पिक व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। जनता को यह भरोसा मिलना जरूरी है कि संकट के समय शासन उसके साथ खड़ा है। आंदोलन का दायरा अब विद्यार्थियों तक भी पहुंच गया है। मंगलवार को कोटली, रावलाकोट और पुंछ के विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों ने जुलूस निकाले और पाकिस्तानी सेना की वापसी के नारे लगाए। विद्यार्थियों का कहना है कि लगभग साढ़े चार महीने से जारी आंदोलन और उससे पैदा हुई परिस्थितियों ने उनकी पढ़ाई को प्रभावित किया है। शिक्षा किसी भी समाज के भविष्य की बुनियाद होती है। लंबे समय तक शैक्षणिक गतिविधियों में व्यवधान से विद्यार्थियों की परीक्षा, रोजगार और आगे की पढ़ाई पर असर पड़ सकता है। जब युवा अपनी शैक्षणिक समस्याओं के साथ शासन के प्रति असंतोष भी व्यक्त करने लगें, तो इसे केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। उनकी शिकायतों को सुनना और समाधान की दिशा में कदम उठाना जरूरी है। पीओके में उठते असंतोष के बीच आजादी के नारे और पाकिस्तानी सेना के खिलाफ बढ़ती नाराजगी इस बात के संकेत हैं कि आंदोलन का स्वरूप व्यापक होता जा रहा है। हालांकि, इन नारों के समर्थन का वास्तविक दायरा निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र और विश्वसनीय जानकारी जरूरी है। फिर भी जनता की शिकायतों को लगातार अनसुना किए जाने से असंतोष बढ़ने की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मिठास के नाम पर जहर : त्योहारों में मिलावट का बढ़ता कारोबार

सुनील कुमार महला

दीपावली खुशियों, उमंग, प्रकाश और मिठास का त्योहार है। इस पर्व पर घर-परिवार में मिठाइयों का आदान-प्रदान केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, आत्मीयता और सद्भाव का प्रतीक भी है। दीपावली आने से कई दिन पहले ही बाजार रंग-बिरंगी मिठाइयों से सजने लगते हैं और बाजार में दुकानों पर काजू कतली, बेसन के लड्डू, मोतीचूर, रसगुल्ले, बर्फी, पेड़े और गुलाब जामुन की बहार दिखाई देने लगती है। कभी घरों में भी दीपावली के लिए तरह-तरह के पकवान और मिठाइयां तैयार की जाती थीं, लेकिन बदलती जीवनशैली और व्यस्तता के कारण अब अधिकांश लोग बाजार से ही मिठाइयां खरीदना पसंद करते हैं। यही वह समय है, जब मिठाइयों की मांग अचानक बढ़ जाती है और कुछ मुनाफाखोर इस मांग को कमाई का अवसर बना लेते हैं।विडंबना यह है कि जिस मिठास को हम अपने परिवार और प्रियजनों के साथ बांटने के लिए खरीदते हैं, उसी में मिलावट का खतरा छिपा होता है। मिलावट तो मिलावट, तौल तक में गड़बड़ी की जाती है और डिब्बे को भी मिठाई के साथ ही तौल दिया जाता है। शुद्ध देसी घी, असली मावे और गुणवत्तापूर्ण दूध से बनी मिठाइयों के नाम पर आज नकली घी, मिलावटी मावा, सिंथेटिक दूध और घटिया खाद्य सामग्री से तैयार मिठाइयां ऊंचे दामों पर बेची जाती हैं। कई बार ग्राहक को यह पता ही नहीं चलता कि वह जिस मिठाई को शुद्ध और स्वादिष्ट समझकर खरीद रहा है, उसमें इस्तेमाल की गई सामग्री उसकी सेहत के लिए कितनी नुकसानदेह हो सकती है। यह केवल उपभोक्ता के साथ आर्थिक धोखाधड़ी नहीं, बल्कि उसके स्वास्थ्य और विश्वास के साथ किया जाने वाला गंभीर अपराध है।

हम सभी जानते हैं कि मिलावट का यह कारोबार केवल मिठाइयों तक ही सीमित नहीं है। दूध, घी, पनीर, मावा, मसाले, तेल, दालें, सूखे मेवे और यहां तक कि रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले कई खाद्य पदार्थ भी इसकी चपेट में हैं। कहीं दूध में पानी और अन्य रासायनिक पदार्थ मिलाए जाते हैं, तो कहीं पनीर और मावा तैयार करने में गैर-मानक सामग्री का इस्तेमाल होता है। मसालों में रंग और अन्य अवांछित पदार्थ मिलाकर उन्हें आकर्षक बनाया जाता है। खाद्य तेलों में मिलावट और नकली ब्रांडों के नाम पर बिक्री की शिकायतें भी सामने आती रहती हैं। त्योहारों के अवसर पर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर सरकारी स्तर पर भी चिंता जताई जाती है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने 29 सितंबर 2026 को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र जारी कर नवरात्र और दीपावली के दौरान खाद्य पदार्थों की जांच, निगरानी और नमूने लेने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए। इसमें दूध एवं दुग्ध उत्पादों, मिठाइयों, नमकीन, खाद्य तेल और घी को विशेष निगरानी में रखने को कहा गया लेकिन यहां सवाल यह उठता है कि जब हर साल त्योहारों से पहले ऐसे निर्देश जारी होते हैं, तब भी मिलावट का कारोबार आखिर क्यों नहीं रुकता? इस क्रम में हाल के घटनाक्रम इस समस्या की गंभीरता को उजागर करते हैं। दिल्ली में अक्टूबर 2026 के शुरुआती दिनों में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई के दौरान 4,100 किलोग्राम से अधिक संदिग्ध मिलावटी मावा और पनीर नष्ट किए जाने की खबर सामने आई। इतना ही नहीं, हाल ही में 29 अक्टूबर को भी दिल्ली के तीन बाजारों में छापेमारी के दौरान करीब 949 लीटर घटिया घी जब्त किया गया। वहीं, हरियाणा के मेवात क्षेत्र में भी लगभग 10 हजार किलोग्राम मिलावटी पनीर जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई। राजस्थान की राजधानी जयपुर में भी दीपावली से पहले घटिया मावे और खाद्य तेल की आपूर्ति रोकने के लिए विशेष जांच अभियान चलाने की तैयारी की गई। अधिकारियों ने माना कि त्योहारों में मांग बढ़ने के कारण आसपास के जिलों से बड़ी मात्रा में घटिया मावा बाजार में पहुंचने का खतरा रहता है। इसी तरह उदयपुर में भी 29 अक्टूबर को लसाड़िया क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई के दौरान 45 किलोग्राम अस्वच्छ मावा और 7 किलोग्राम घटिया मिठाइयां जब्त कर नष्ट किए जाने की खबर सामने आई। वास्तव में, ये घटनाएं बताती हैं कि मिलावट की समस्या किसी एक शहर, प्रदेश या मिठाई की दुकान तक सीमित नहीं है। यह एक संगठित और व्यापक समस्या का रूप ले चुकी है।

वास्तव में, सबसे चिंताजनक बात यह है कि मिलावटखोरों के हौसले केवल इसलिए बुलंद नहीं हैं कि बाजार में खाद्य पदार्थों की मांग अधिक है, बल्कि इसलिए भी कि उन्हें कानून का पर्याप्त भय नहीं है।यह बात ठीक है कि समय-समय पर छापेमारी होती है, कुछ नमूने भी लिए जाते हैं, कुछ दुकानों से खाद्य सामग्री जब्त होती है और खराब सामग्री नष्ट कर दी जाती है। मीडिया में कार्रवाई की खबरें सुर्खियां बनती हैं, लेकिन कुछ समय बाद सब कुछ पहले जैसा ही हो जाता है। असली जरूरत केवल त्योहारों पर दिखावटी सक्रियता की नहीं, बल्कि पूरे वर्ष निरंतर निगरानी और दोषियों के विरुद्ध ऐसी कठोर कार्रवाई की है, जिससे मिलावट का कारोबार करने वालों में कानून का वास्तविक भय पैदा हो।आज सोशल मीडिया का युग है और सोशल मीडिया के इस दौर में मिलावट के कारोबार की तस्वीरें और वीडियो भी अक्सर सामने आते रहते हैं। कहीं नकली मावा बनाने की प्रक्रिया दिखाई जाती है, तो कहीं रासायनिक पदार्थों से दूध तैयार करने और वनस्पति व अन्य वसा मिलाकर घी बनाने के वीडियो प्रसारित होते हैं। ये वीडियो लोगों को विचलित करते हैं और कुछ समय तक चर्चा का विषय भी बने रहते हैं, लेकिन केवल वीडियो वायरल होने से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। ऐसे मामलों की गंभीरता से जांच होनी चाहिए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के विरुद्ध तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। आखिर खाद्य सुरक्षा विभाग और प्रशासन की जिम्मेदारी केवल शिकायतों का इंतजार करना नहीं, बल्कि ऐसी गतिविधियों पर पहले से नजर रखना भी है। यहां यह बात भी बिल्कुल सही है कि देश में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कानूनों की कमी नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत असुरक्षित खाद्य पदार्थों के उत्पादन और बिक्री पर गंभीर दंड का प्रावधान है। यदि असुरक्षित खाद्य पदार्थ के सेवन से किसी व्यक्ति को चोट पहुंचती है, गंभीर चोट लगती है अथवा मृत्यु होती है तो अपराध की गंभीरता के अनुसार कारावास और जुर्माने की सजा हो सकती है। मृत्यु के मामले में कम से कम सात वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक का प्रावधान है। इसके बावजूद कानून का प्रभाव तभी दिखाई देगा, जब उसकी निष्पक्षता से पालना हो और दोषियों को समय पर सजा मिले। विदेशों में खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ता के स्वास्थ्य को लेकर कई देशों ने सख्त निगरानी व्यवस्थाएं विकसित की हैं। वहां खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, उत्पादन प्रक्रिया, भंडारण और बिक्री तक पर निगरानी रखी जाती है। पाठकों को बताता चलूं कि वैश्विक स्तर पर, यूरोपीय संघ में खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ता स्वास्थ्य को लेकर दुनिया के सबसे सख्त कानून और निगरानी व्यवस्थाएं हैं। गौरतलब है कि यूरोपियन फूड सेफ्टी अथॉरिटी एहतियाती सिद्धांत' पर काम करती है, जिसका अर्थ है कि किसी भी खाद्य योजक, रसायन या नए उत्पाद को तब तक बाजार में बिकने की अनुमति नहीं दी जाती, जब तक कि उसका सुरक्षित होना वैज्ञानिक रूप से 100त्न साबित न हो जाए। यही कारण है कि दुनिया के कई अन्य हिस्सों में धड़ल्ले से इस्तेमाल होने वाले रसायनों, कीटनाशकों, कृत्रिम रंगों और जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलों पर यूरोप में पूरी तरह से प्रतिबंध है। यूरोपीय देशों (विशेषकर जर्मनी और फ्रांस) के अलावा जापान और ऑस्ट्रेलिया में भी खाद्य मानकों, पैकेजिंग और मिलावट को लेकर अत्यंत कठोर कानून लागू हैं। हमारे देश में भी ऐसी व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की पर्याप्त नियुक्ति, आधुनिक जांच प्रयोगशालाएं, मोबाइल खाद्य परीक्षण वाहन, नियमित निरीक्षण और प्रयोगशालाओं से समयबद्ध जांच रिपोर्ट मिलना जरूरी है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों और प्रतिष्ठानों पर निगरानी रखी जानी चाहिए, जहां बड़े पैमाने पर मावा, पनीर और मिठाइयों का उत्पादन होता है। इतना ही नहीं, खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर महीनों तक रिपोर्ट की प्रतीक्षा करने के बजाय जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया में तेजी लानी होगी।इसके साथ ही उपभोक्ताओं को भी जागरूक होने की जरूरत है। हमें मिठाइयां खरीदते समय विश्वसनीय दुकानों को प्राथमिकता देनी चाहिए, और पैकिंग पर निर्माण एवं उपयोग की अंतिम तिथि, सामग्री और खाद्य लाइसेंस संबंधी जानकारी अवश्य देखनी चाहिए। हमें यह चाहिए कि हम खुले में रखी गई मिठाइयों, अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार खाद्य पदार्थों और असामान्य रंग या गंध वाली सामग्री से बचें तथा केवल चमक-दमक और आकर्षक पैकिंग को ही शुद्धता का प्रमाण न मानें। हमारा यह दायित्व बनता है कि किसी खाद्य पदार्थ में मिलावट का संदेह होने पर हम खाद्य सुरक्षा विभाग में शिकायत दर्ज कराएं। जागरूक उपभोक्ता भी मिलावट के विरुद्ध एक प्रभावी शक्ति बन सकता है।

सरदार पटेल: जिसकी दृढ़ता के आगे झुक गई सैंकड़ों रियासतें

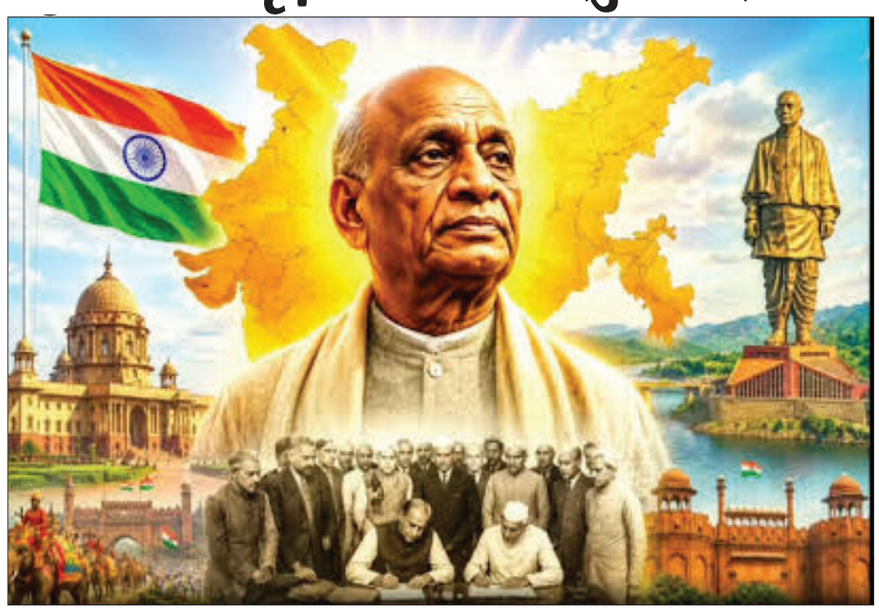

भारत के राजनीतिक एकीकरण के महानायक सरदार पटेल...

भारत के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण के इतिहास में सरदार वल्लभभाई पटेल का नाम सदैव सम्मान के साथ लिया जाता है। वे ऐसे महान नेता थे, जिन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस, दूरदर्शिता और निर्णय लेने की क्षमता से देश की दिशा बदल दी। वे केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, स्वतंत्रता के बाद बिखरी हुई रियासतों को एकजुट कर मजबूत भारत की नींव रखने वाले महान शिल्पकार भी थे। इसी योगदान के सम्मान में उनकी जयंती 31 अक्तूबर को देशभर में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाई जाती है। सरदार पटेल का जन्म 31 अक्तूबर 1875 को गुजरात के नाडियाद में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। बचपन से ही वे साहसी, स्वाभिमानी और मेहनती थे। आर्थिक स्थिति सामान्य होने के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से शिक्षा प्राप्त की। कानून की पढ़ाई के लिए वे इंग्लैंड गए और वहां से बैरिस्टर बनकर लौटे। इसके बाद उन्होंने अहमदाबाद में वकालत शुरू की और शीघ्र ही एक सफल वकील के रूप में पहचान बना ली। लेकिन उनके मन में केवल व्यक्तिगत सफलता पाने की इच्छा नहीं थी। देश की गुलामी और आम लोगों की परेशानियां उन्हें भीतर तक प्रभावित करती थी।

महात्मा गांधी के विचारों और स्वतंत्रता आंदोलन से प्रभावित होकर उन्होंने अपनी सफल वकालत छोड़ दी और देशसेवा में जुट गए। वर्ष 1918 में गुजरात के खेड़ा जिले में किसानों की फसल खराब हो गई थी। इसके बावजूद अंग्रेज सरकार उनसे लगान वसूलना चाहती थी। पटेल ने किसानों को संगठित किया और लगान माफी के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में किसानों ने एकजुट होकर सरकार का विरोध किया। अंततः अंग्रेज सरकार को किसानों की मांगों पर विचार करना पड़ा। इस आंदोलन ने पटेल को एक जननेता के रूप में स्थापित किया। वर्ष 1928 का बारडोली सत्याग्रह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। अंग्रेज सरकार ने किसानों पर लगान बढ़ा दिया था जबकि वे पहले से ही आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे थे। पटेल ने गांव-गांव जाकर किसानों को संगठित किया और शांतिपूर्ण आंदोलन का नेतृत्व किया। महिलाओं ने भी इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। किसानों की एकजुटता और पटेल के दृढ़ नेतृत्व के सामने अंग्रेज सरकार को झुकना पड़ा। इस आंदोलन की सफलता के बाद वहां की महिलाओं ने उन्हें 'सरदार' की उपाधि दी। तभी से वे सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

सरदार पटेल का सबसे बड़ा योगदान स्वतंत्रता के बाद देश की रियासतों का भारत में विलय कराना था। 15 अगस्त 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ, तब देश केवल अंग्रेजों से मुक्त नहीं हुआ था बल्कि उसके सामने एक और बड़ी चुनौती थी। देश में 562 से अधिक छोटी-बड़ी रियासतें थी, जिनमें से कुछ भारत में शामिल होना चाहती थी जबकि कुछ स्वतंत्र रहना या पाकिस्तान में जाना चाहती थी। यदि इन रियासतों का भारत में विलय नहीं होता तो देश की एकता और सुरक्षा के सामने गंभीर संकट खड़ा हो सकता था। उस समय सरदार पटेल देश के उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री थे। उन्होंने वी.पी. मेनन के सहयोग से रियासतों के शासकों से बातचीत शुरू की। उन्होंने उन्हें समझाया कि स्वतंत्र भारत में सभी राज्यों का भविष्य एक-दूसरे से जुड़ा है। उन्होंने संवाद, समझदारी, कूटनीति और आवश्यकता पड़ने पर कठोर निर्णयों के माध्यम से अधिकांश रियासतों को भारत में शामिल कराया। यह कार्य आसान नहीं था लेकिन पटेल ने असाधारण धैर्य और दृढ़ता का परिचय दिया।

जूनागढ़ और हैदराबाद का भारत में विलय उनकी राजनीतिक सूझबूझ और दृढ़ नेतृत्व के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। जूनागढ़ के नवाब ने पाकिस्तान में शामिल होने का निर्णय लिया था जबकि वहां की अधिकांश जनता भारत में शामिल होना चाहती थी। भारत सरकार ने स्थिति को संभालने के लिए कदम उठाए और अंततः जनमत संग्रह के माध्यम से जूनागढ़ का भारत में विलय हुआ। हैदराबाद के निजाम ने भारत में शामिल होने के बजाय स्वतंत्र रहने का प्रयास किया था। वहां रजाकारों की गतिविधियों से आम जनता में भय का माहौल था। बातचीत से समाधान नहीं निकलने पर सितंबर 1948 में भारत सरकार ने सैन्य कार्रवाई की, जिसे 'ऑपरेशन पोलो' कहा गया। पांच दिनों के भीतर हैदराबाद का भारत में विलय हो गया। इस प्रकार सरदार पटेल ने देश की एकता के सामने खड़ी बड़ी चुनौतियों का समाधान किया।

पटेल का योगदान केवल रियासतों के विलय तक सीमित नहीं था। उन्होंने स्वतंत्र भारत की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा को देश की एकता, स्थिरता और सुचारु शासन के लिए आवश्यक मानते थे। उनका विश्वास था कि एक मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था के बिना इतने विशाल और विविधतापूर्ण देश को एकजुट रखना कठिन होगा। उन्होंने इन सेवाओं को देश की प्रशासनिक रीढ़ बताते हुए इनके संरक्षण और विकास पर जोर दिया। विभाजन के समय देश में सांप्रदायिक हिंसा, विस्थापन और असुरक्षा का गंभीर संकट पैदा हो गया था। लाखों लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए। ऐसे कठिन समय में पटेल ने राहत और पुनर्वास के कार्यों को प्राथमिकता दी। वे प्रशासन को लगातार सक्रिय रखते थे और शरणार्थियों की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देते थे। उनका मानना था कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब देश के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा, सम्मान और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

जवाहरलाल नेहरू के साथ सरदार पटेल के कई मुद्दों पर मतभेद थे लेकिन उन्होंने हमेशा देशहित को व्यक्तिगत विचारों से ऊपर रखा। पटेल का मानना था कि देश को मजबूत बनाने के लिए नेतृत्व में सहयोग और आपसी विश्वास जरूरी है। उन्होंने अपने अनुभव और प्रशासनिक क्षमता से नवगठित सरकार को स्थिर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरदार पटेल का जीवन सादगी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण था। वे दिखावे से दूर रहते थे और काम को सबसे अधिक महत्व देते थे। उनके लिए देशसेवा किसी पद या प्रतिष्ठा का विषय नहीं बल्कि जीवन का उद्देश्य थी। वे कठिन परिस्थितियों में भी निर्णय लेने से पीछे नहीं हटते थे। उनकी यही विशेषता उन्हें अन्य नेताओं से अलग पहचान देती है।

15 दिसंबर 1950 को मुंबई में सरदार पटेल का निधन हो गया। वर्ष 1991 में उन्हें मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। वर्ष 2018 में गुजरात के केवड़िया में उनकी 182 मीटर ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का लोकार्पण किया गया। यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है और उनके महान योगदान की याद दिलाती है। आज भारत अनेक भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं वाला देश है। हमारी यही विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। लेकिन इस ताकत को बनाए रखने के लिए आपसी सम्मान, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता की भावना जरूरी है। सरदार पटेल ने अपने जीवन से यह साबित किया कि मजबूत इच्छाशक्ति, स्पष्ट सोच और देशहित में लिए गए साहसिक निर्णय असंभव दिखने वाले कार्यों को भी संभव बना सकते हैं। उन्होंने जिस एकजुट भारत का सपना देखा था, उसे सुरक्षित और मजबूत बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। वास्तव में, सरदार पटेल केवल इतिहास के महान नेता नहीं बल्कि भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के ऐसे अमर प्रतीक हैं, जिनकी प्रेरणा आने वाली पीढ़ियों को सदैव मिलती रहेगी।

अमरोहा
शनिवार 31 अक्टूबर 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

अमरोहा में औद्योगिक विकास को नई गति, 2,006 करोड़ की निवेश परियोजनाओं में शुरू हुआ व्यावसायिक संचालन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में औद्योगिक विकास को नई गति देने, निवेश परियोजनाओं को धरातल पर उतारने तथा उद्यमियों के लिए अनुकूल औद्योगिक वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में जिला प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में जीबीसी (ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी) हेतु तैयार औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जीबीसी हेतु तैयार उन औद्योगिक परियोजनाओं में वाणिज्यिक संचालन (Commercial Operation) प्रारंभ कराने की दिशा में तेजी लाना था, जिनमें विभिन्न कारणों से संचालन अभी शुरू नहीं हो पाया है। जिलाधिकारी ने औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं विभागीय स्तर पर आ रही बाधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने तथा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आवश्यक सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में निवेश को प्रोत्साहित करना, औद्योगिक इकाइयों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा निवेश प्रस्तावों को वास्तविक औद्योगिक गतिविधियों में परिवर्तित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्यमियों की समस्याओं के समाधान में अनावश्यक विलंब न हो तथा विभागीय समन्वय के माध्यम से परियोजनाओं को शीघ्र संचालन की दिशा में आगे बढ़ाया जाए। जनपद में जीबीसी हेतु तैयार 72 परियोजनाओं में से 59 परियोजनाओं में वाणिज्यिक संचालन प्रारंभ हो चुका है। इन संचालित परियोजनाओं में लगभग 2,006 करोड़ का निवेश शामिल है। इन औद्योगिक इकाइयों के संचालन से जनपद में रोजगार के व्यापक अवसर सृजित हो रहे हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है तथा क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई दिशा मिल रही है। शेष परियोजनाओं में भी वाणिज्यिक संचालन प्रारंभ कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा संबंधित विभागों एवं उद्यमियों के साथ समन्वय स्थापित कर समस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इससे जनपद में निवेश प्रस्तावों के प्रभावी क्रियान्वयन, औद्योगिक विस्तार और रोजगार सृजन को और गति मिलने की उम्मीद है।बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), उपायुक्त उद्योग, इन्वेस्ट यू ०पी के अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पेंशनर घर बैठे भी मोबाइल ऐप के माध्यम से बनवा सकेंगे डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र

अमरोहा (सब का सपना):- वरिष्ठ कोषाधिकारी अशोक राव गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शों के क्रम में राष्ट्रीय डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र (DLC) अभियान-2026 का आयोजन 01 नवंबर से 30 नवंबर तक किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों को डिजिटल माध्यम से जीवन प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने की सुविधा प्रदान करना तथा पेंशन संबंधी कार्यों को सरल एवं सुगम बनाना है। उन्होंने बताया कि जनपद अमरोहा में कोषागार के माध्यम से लगभग 6,000 पेंशनर एवं पारिवारिक पेंशनर पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। अभियान के अंतर्गत पेंशनरों को फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने के लिए जागरूक किया जाएगा। इसके लिए UMANG App, Jeevan Pramaan App एवं AadhaarFaceRD App का उपयोग किया जा सकता है। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने बताया कि दिनांक 05 नवंबर 2026 को जनपद की समस्त प्रमुख बैंक शाखाओं, डाकघरों एवं संबंधित केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहां पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने में आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने संबंधित बैंक शाखाओं एवं डाकघरों से अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने यह भी बताया कि जिन पेंशनरों के पास स्मार्टफोन अथवा आवश्यक तकनीकी सुविधा उपलब्ध नहीं है, वे बैंक शाखा, डाकघर अथवा जनसेवा केंद्र (CSC) के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, वृद्ध, अस्वस्थ एवं दिव्यांग पेंशनर, जो बैंक या कोषागार आने में असमर्थ हैं, उनके लिए घर पर ही मोबाइल ऐप के माध्यम से फेस ऑथेंटिकेशन द्वारा डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र बनवाने की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि पेंशनरों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा अभियान के अंतर्गत डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र जमा कराने की प्रक्रिया को सरल, सुगम एवं प्रभावी बनाया जाए। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने जनपद के समस्त पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों से अपील की कि वे राष्ट्रीय डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान-2026 का लाभ उठाते हुए निर्धारित समयावधि में अपना जीवन प्रमाण-पत्र जमा कराएं, ताकि पेंशन भुगतान की प्रक्रिया सुचारु रूप से जारी रह सके।

प्रधानमंत्री ने पीएम किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त की धनराशि किसानों के खातों में की हस्तांतरित

अमरोहा (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात के बनासकांठा से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त की धनराशि देशभर के किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार, अमरोहा में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख अमरोहा श्री गुरिंदर सिंह ढिल्लों ने की। इस अवसर पर जनपद के लगभग 2.63 लाख किसानों के बैंक खातों में कुल 52 करोड़ 60 लाख रुपये की धनराशि हस्तांतरित की गई, जिससे किसानों को कृषि संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक ने किसानों को कृषि की नवीनतम वैज्ञानिक तकनीकों, प्राकृतिक एवं पारंपरिक खेती, फसल विविधीकरण, मृदा स्वास्थ्य तथा कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं किसान हितैषी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों को नवीन कृषि पद्धतियों को अपनाकर उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने तथा उपलब्ध सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उक्त कार्यक्रम के अतिरिक्त जनपद के समस्त विकासखंडों तथा कृषि विज्ञान केंद्र, गजरौला में भी कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किसानों के मध्य कराया गया। सभी कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया तथा किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली सहायता के संबंध में जानकारी दी गई। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख अमरोहा गुरिंदर सिंह ढिल्लों की अध्यक्षता में जिला कृषि अधिकारी एवं उपनिदेशक कृषि की उपस्थिति में संबंधित अधिकारी-कर्मचारी तथा कृषक बंधु उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने तीन नए दमकल वाहनो को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में अग्निशमन सेवाओं को और बहतर करने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा अग्निशमन विभाग को तीन नए दमकल वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर से तीनों नए दमकल वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इन नए दमकल वाहनों के उपलब्ध होने से जनपद में आगजनी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने, अग्निशमन सेवाओं की त्वरित पहुंच सुनिश्चित करने तथा जन-धन की हानि को न्यूनतम करने में सहायता मिलेगी। साथ ही अग्निशमन विभाग की कार्यक्षमता एवं संसाधनों में वृद्धि होगी, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में बेहतर एवं त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी।

परीक्षा की शुचिता, गोपनीयता एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष जोर

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने स्थित कुंदन इंटर कॉलेज में आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्र पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा परीक्षा के सुचारु, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन के संबंध में संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों के प्रवेश की व्यवस्था, परीक्षा कक्षों की स्थिति, सुरक्षा प्रबंधों तथा परीक्षा संचालन, कंट्रोल रूम से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा की व्यवस्थाओं एवं संचालन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शासन एवं परीक्षा आयोजक संस्था द्वारा निर्धारित दिशा-निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा परीक्षा के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं केंद्र व्यवस्थापक को निर्देशित किया कि परीक्षा की शुचिता, पारदर्शिता एवं गोपनीयता बनाए रखते हुए सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर किसी प्रकार की अनावश्यक असुविधा न हो तथा प्रवेश से लेकर परीक्षा समाप्ति तक सभी प्रक्रियाएं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा को निष्पक्ष एवं नकलविहीन संपन्न कराना सभी संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा केंद्र पर शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने पर जोर दिया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान पूरी सतर्कता बरती जाए और सभी व्यवस्थाएं प्रभावी ढंग से संचालित की जाएं, ताकि जनपद में पीईटी-2026 की परीक्षा निष्पक्ष, नकलविहीन, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हो सके।

द आर्यन्स में हुआ दो दिवसीय पुस्तक मेले का शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के द आर्यन्स, जोया में आज दिनांक 30 अक्टूबर को विद्यार्थियों की पुस्तकों के प्रति रुचि, जिज्ञासा एवं लगाव को ध्यान में रखते हुए उन्हें पुस्तकों के प्रति प्रेरित करने के लिए एक्सेल इंटरनेशनल वर्ल्ड, लखनऊ की ओर से अली जाफरी एवं आकाश जी की सहभागिता से पुस्तक मेले का शुभारंभ किया गया। इस पुस्तक मेले में साहित्य, कहानी, उपन्यास, नाटक एवं विभिन्न दार्शनिकों तथा महापुरुषों से संबंधित प्रेरणादायक पुस्तकें विद्यार्थियों के विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। यह पुस्तक मेला सभी अभिभावको व छात्रों के लिए खुला रहेगा पुस्तक मेले के इस अवसर पर प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने विद्यार्थियों को बताया कि एक अच्छी पुस्तक हमारे जीवन को सही दिशा प्रदान करने का मूल मंत्र मानी जाती है। इस अवसर पर प्रबंधक महोदय चौधरी हरपाल सिंह और अनिल कुमार सिंह विद्यार्थियों को पुस्तकों से संबद्ध ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किये एवं निदेशक महोदय अमन लिट्ट एवं गौरव चौधरी ने विद्यार्थियों के पुस्तक प्रेम को देखते हुए उन्हें जीवन में अविस्मर्णीय प्रगति प्राप्त करने का शुभाषीश प्रदान किया। पुस्तक मेले संबंधी समस्त गतिविधि का संचालन गतिविधि प्रभारी जागृति कौशिक द्वारा किया गया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षकगण शिवानी सरोहा, सुचित्रा सिंह, चिरंजीव कौर, सरिता, ममता, चांदनी बत्रा,नाहिद नकवी, गुलफशा, नेहा खान, मोनिका विश्नोई, अंजलि चौधरी, शालिनी वर्मा, हुमा परवीन, शिवानी थॉमस, नेहा खन्ना,नाहिद रहमान, शगुन सैनी, कृतिका भटनागर, शिवानी गुप्ता, पायल, आयुषी यादव, धीरज महलवार, मोहम्मद फुरकान सैफी, राहुल शांक्या, प्रेरणा रावत, खुशबू चौधरी, शिखा आनंद, अनुज यादव, स्वाति चौधरी, सुरभि, मोहिनी वर्मा, नीतू राज, मोनिका यादव, मीना अग्रवाल, चांदनी माहौर, अनूद तैय्यब, खान, आफरीन जहाँ, दीपांशी चौधरी, तोषी यादव, हुमा बेबी, अंजना देवी, इस्तेखार अहमद, स्वीटी यूसुफ, विजय सिंह सैनी, राधा कृष्णा, साक्षी, याचिका मंगत, गगन चौधरी, सिमरन बत्रा, लाइवा नूर, एवं ज्योति सैनी सुनीता चौधरी, शालिनी भारद्वाज, शगुफ्ता हमीद, अजीत सिंह, संतोष कुमार, अभिषेक सुमन, शीतल यादव, शुभम शर्मा, शुभम पांडे, सुमित कुमार, दिग्विजय सिंह, दीपक कुमार, कपिल कुमार गुप्ता, अजरा नकवी, सचिन कुमार यादव, शिवम कुमार, सोनू, जागृति कौशिक, सचिन कुमार शर्मा, विपिन कुमार, साक्षी गुप्ता, ललित थॉमस, असनिया सिद्दीकी, सामिया अंसारी, मोहम्मद समीर, आदि उपस्थित रहे '

झम्मनलाल स्नातकोत्तर कॉलेज, हसनपुर में 31 अक्टूबर को आयोजित होगा वृहद रोजगार मेला

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत जिला सेवायोजन कार्यालय, अमरोहा एवं झम्मनलाल स्नातकोत्तर कॉलेज, हसनपुर के संयुक्त प्रयास से दिनांक 31 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10:00 बजे से झम्मनलाल स्नातकोत्तर कॉलेज, हसनपुर में एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की लगभग 20 से 25 नियोजक कंपनियों द्वारा तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदों के लिए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर चयन किया जाएगा। सहायक निदेशक(सेवायोजन) मुरादाबाद मंडल मुरादाबाद/प्र0जिला सेवायोजन अधिकारी, अमरोहा रत्नेश चंद्र ने जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। अभ्यर्थी अपना संपूर्ण बायोडाटा दो प्रतियों में (हस्तलिखित अथवा टंकित), समस्त मूल शैक्षिक प्रमाण-पत्रों की छायाप्रतियों के दो सेट तथा दो रंगीन फोटो साथ लेकर निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित हों। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले से संबंधित अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 8005383895 पर प संपर्क किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी किसी भी कार्यदिवस में जिला सेवायोजन कार्यालय, जोया रोड, अमरोहा में संपर्क कर सकते हैं। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने वाले अभ्यर्थियों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

सीडीओ की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण, गंगा एवं पर्यावरण समितियों की संयुक्त बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति, अमरोहा की संयुक्त बैठक मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में तथा अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप सिंह की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में विगत वर्षों में कराए गए वृक्षारोपण के अनुरक्षण एवं संरक्षण, ग्रीन चौपाल, गंगा एवं जलस्रोतों की स्वच्छता, ड्रेनों एवं अपशिष्ट जल के समुचित प्रबंधन, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने निर्देश दिए कि गंगा नदी के किनारे स्थित क्षेत्रों में प्राकृतिक एवं जैविक (ऑर्गेनिक) खेती को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के लाभों की जानकारी उपलब्ध कराते हुए प्रोत्साहन कार्यक्रम संचालित किए जाएं तथा अधिक से अधिक किसानों को इससे जोड़ा जाए। संबंधित विभाग किसानों को आवश्यक तकनीकी जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराते हुए इसके लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने निर्देशित किया कि बैठक एवं क्षेत्रीय निरीक्षण के दौरान प्राप्त सुझावों एवं अपेक्षाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए। संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करें कि दिए गए निदेर्शों पर समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई हो तथा की गई कार्रवाई की प्रगति से समय-समय पर अवगत कराया जाए। वृक्षारोपण की समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि केवल पौधरोपण कराना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों का संरक्षण एवं अनुरक्षण भी सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि विगत वर्षों में लगाए गए जिन पौधों के सूख जाने अथवा नष्ट हो जाने की स्थिति सामने आई है, उनके स्थान पर नए पौधे लगाए जाएं। साथ ही नए पौधों की सुरक्षा, सिंचाई एवं नियमित देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे पौधों की जीवितता दर बेहतर हो और वृक्षारोपण का वास्तविक उद्देश्य पूरा हो सके।
बैठक में प्राकृतिक एवं जैविक खेती, जल संरक्षण, गंगा स्वच्छता, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित गतिविधियों में जनभागीदारी बढ़ाने तथा विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया।इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य संबंधित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

धनौरा में आवारा पशु से टकराई बाइक, युवक की मौत,दो हफ्तों में सड़क हादसे की ये तीसरी घटना

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र में एक युवक की बाइक के सामने आवारा पशु के आ जाने से टकराव हो गया इस हादसे में युवक को गंभीर चोट आने से उसकी मौत हो गई। यह मामला थाना क्षेत्र के गांव पेली तगा का बताया जा रहा है बाइक पर दो युवक सवार थे जिसमें से 25 वर्षीय लक्की सैनी की मौत हो गई जबकि उसका साथी हितेंद्र घायल हो गया। बता दें कि मंडी धनौरा क्षेत्र में 15 दिन के भीतर आवारा पशुओं से जुड़े सड़क हादसों में तीन युवकों की मौत हो चुकी है। ताजा हादसे में पेली तगा निवासी 25 वर्षीय लक्की सैनी की जान गई, जबकि उसका साथी हितेंद्र सैनी घायल है। जानकारी के मुताबिक गुरुवार की देर रात करीब 10 बजे लक्की सैनी अपने साथी हितेंद्र सैनी के साथ बाइक से मंडी धनौरा से गांव लौट रहा था। रेलवे फाटक से गांव की ओर मुड़ते समय सड़क पर अचानक आवारा पशु आ गया। उसे बचाने की कोशिश में बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। दोनों युवक घायल हो गए।एंबुलेंस से दोनों को मंडी धनौरा सीएचसी ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें अमरोहा रेफर किया गया। रास्ते में लक्की की मौत हो गई। हितेंद्र को अमरोहा के ग्लोकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।परिजनों ने बिना कानूनी कार्रवाई के लक्की का अंतिम संस्कार कर दिया। थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह ने इसकी पुष्टि की। लक्की, पिता नन्हे सिंह का इकलौता बेटा था और मजदूरी कर परिवार चलाने में पिता की मदद करता था।इससे पहले 17 अक्टूबर को अमरोहा-धनौरा रोड पर कुआं खेड़ा पेट्रोल पंप के सामने 22 वर्षीय असलम मलिक की आवारा पशु से टकराकर मौत हो गई थी। वह एक निजी पैथोलॉजी लैब में काम करता था। असलम, पेली तगा कुआंखेड़ा निवासी मुराद अली का बेटा था।26 अक्टूबरः शेरपुर-मंडी धनौरा मार्ग पर आवारा पशु को बचाने के प्रयास में बाइक खंभे से टकरा गई, जिससे 25 वर्षीय मनजीत वाल्मीकि (पुत्र रामोतार) की दर्दनाक मौत हो गई थी।लगातार हो रही इन घटनाओं से क्षेत्रवासियों में प्रशासन के प्रति गहरा रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने मांग की है कि आवारा पशुओं को जल्द से जल्द पकड़कर गोवंश आश्रय स्थलों में भेजा जाए, ताकि अन्य किसी परिवार को इस तरह का दर्दनाक गम न सहना पड़े।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कौराल न्याय पंचायत में मत्स्य पालन एवं बहुउदेशीय समिति के गठन हेतु दिनांक 31.10.2026 को ग्राम चमरौवा न्याय पंचायत कौराल विकास खण्ड अमरोहा में प्रातः 11:00 बजे पंचायत घर में बैठक आयोजित की जायेगी

आजम खान देश के प्रमुख अल्पसंख्यक नेताओं में से एक हैं:- आतिर हुसैन

संभल (सब का सपना):- आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता आतिर हुसैन ने आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान को जमानत मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आजम खान देश के प्रमुख अल्पसंख्यक नेताओं में से एक हैं। उनका देश की राजनीति में लंबा सफर रहा है और सार्वजनिक जीवन में उनका महत्वपूर्ण स्थान रहा है। उन्होंने कहा कि आजम खान ने लंबे समय तक राजनीति में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई है। ऐसे में उन्हें और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान को जमानत मिलने की खबर से आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं और उनके समर्थकों में खुशी है।

आतिर हुसैन ने बताया कि आम आदमी पार्टी की ओर से आजम खान से जेल में मुलाकात करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजने का कार्यक्रम प्रस्तावित था। इस प्रतिनिधिमंडल में रुहेलखंड प्रांत अध्यक्ष मोहम्मद हैदर और प्रदेश प्रवक्ता आतिर हुसैन शामिल होने वाले थे। इस संबंध में जिला प्रशासन से मुलाकात की अनुमति लेने के लिए प्रांत अध्यक्ष की ओर से लिखित आवेदन देने की भी तैयारी थी। पार्टी की ओर से इस मुलाकात को लेकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने की योजना बनाई जा रही थी। उन्होंने बताया कि अब आजम खान और अब्दुल्ला आजम खान को जमानत मिलने के बाद जेल में मुलाकात का प्रस्तावित कार्यक्रम नहीं रहेगा। आजम खान की रिहाई के बाद वह उनसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करेंगे। आतिर हुसैन ने कहा कि आजम खान का राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में लंबा अनुभव रहा है।

डिडौली क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटका मिला युवती का शव, परिवार में चीख पुकार

परिजनों ने कानूनी कार्रवाई से किया इन्कार,मौत की वजह स्पष्ट नही

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली कोतवाली क्षेत्र में एक युवती का शव संदिग्ध हालातो में फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला जिससे परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया और मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाएं है। उधर मृतका के परिजनों ने किसी भी कानूनी कार्यवाही से साफ इनकार किया है। बता दें कि पूरा मामला डिडौली थाना क्षेत्र के चौधरपुर गांव का है जहां पर एक 25 वर्षीय युवती यासमीन का शव घर में फांसी के फंदे पर संदिग्ध परिस्थितियों में लटका हुआ मिला।शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे परिजनों ने उन्हें पिता की आटे की चक्की के परिसर में प्लास्टिक की रस्सी से लटका देखा।वह जोया स्थित वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी से जीएनएम (GNM) के फाइनल ईयर की पढ़ाई कर रही थीं। पुलिस के मुताबिक, घटना रात में किसी समय हुई।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया उधर फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल की और मौके से जरूरी साक्ष्य भी जुटाए।

मौत की वजह अभी साफ नहीं हुई है।डिडौली थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि परिजनों ने फिलहाल किसी कानूनी कार्रवाई से इनकार किया है। पुलिस ने कहा कि घटना की परिस्थितियां जांच के बाद साफ होंगी।

जेएसवाई भुगतान में लापरवाही पर जिला मलेरिया अधिकारी का वेतन रोकने के निर्देश

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन में आयोजित बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने की। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय से पहुंचाने के निर्देश दिए गए। बैठक में जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को किए जा रहे भुगतान की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी पात्र लाभार्थियों का भुगतान निर्धारित समय सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। भुगतान में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि भुगतान संबंधी मामलों में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद पोषण पुनर्वास केंद्र चन्दौसी में भर्ती गंभीर कुपोषित और मध्यम कुपोषित बच्चों की विकासखंडवार प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि कुपोषित बच्चों के उपचार और पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाए। बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ उनके समुचित पुनर्वास की व्यवस्था भी प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जाए। बैठक में विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई और न्यूबॉर्न स्टेबिलाइजेशन यूनिट की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। इसके अलावा जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण की स्थिति पर चर्चा हुई। एचपीवी टीकाकरण के निर्धारित लक्ष्य और अब तक प्राप्त उपलब्धियों की जानकारी ली गई। जिन क्षेत्रों में टीकाकरण सत्र लंबित हैं या निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित नहीं हो पाए हैं वहां विशेष कार्ययोजना बनाकर टीकाकरण पूरा कराने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने यू-विन पोर्टल पर डाटा फीडिंग की स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को समय से डाटा दर्ज कराने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत स्वास्थ्य केंद्रों की गुणवत्ता सुधारने और आभा आईडी बनाने के कार्य में तेजी लाने को कहा गया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए और पात्र लोगों को उनका लाभ मिलना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग के कार्यों और भुगतान संबंधी मामलों में सामने आई लापरवाही पर मुख्य विकास अधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला मलेरिया अधिकारी का वेतन रोकने और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में संचारी रोग नियंत्रण अभियान की भी विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर समरसेबल पंपों को अनावश्यक रूप से चलाकर छोड़ दिया जाता है जिससे पानी जमा हो जाता है। जलभराव के कारण मच्छरों के पनपने और संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे स्थानों को चिह्नित कर तत्काल जलभराव समाप्त कराया जाए और नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संचारी रोगों की रोकथाम के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया। पशुपालन कृषि उद्यान सिंचाई और स्वच्छ भारत मिशन सहित सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि सभी संबंधित विभागों को अपनी भूमिका निभाते हुए अभियान को प्रभावी बनाना होगा। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में साफ-सफाई जलभराव की रोकथाम और जनजागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के साथ सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की नियमित निगरानी की जाए ताकि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेंद्र सिंह जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस महेश कुमार सहित जनपद के सभी संबंधित चिकित्सा अधीक्षक एमओआईसी और अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

धनौरा क्षेत्र में अज्ञात जानवर ने तीन बकरियों को बनाया निवाला

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र में किसी अज्ञात जानवर ने घेर में बंध रहीं तीन बकरियों को अपना निवाला बना डाला। जिससे मजदूर परिवार का हजारों रुपए का नुकसान हो गया। इस मामले में ग्राम प्रधान ने संबंधित अधिकारियों को सूचना दी है। बता दें कि पूरा मामला थाना क्षेत्र के गांव कैसरा का है जहां शुक्रवार की सुबह मंडी किसी अज्ञात जानवर ने तीन गर्भवती बकरियों को अपना निवाला बना डाला। बकरियां राजपाल जाटव और उनकी पत्नी अमरवती के घेर में बंध रहीं थीं। परिवार मजदूरी करके गुजारा करता है।अमरवती ने अतिरिक्त आमदनी के लिए नए घेर में बकरियां पालना शुरू किया था। उनके पास कुल पांच बकरा। इनमें से तीन बकरियां गर्भवती थीं।शुक्रवार सुबह राजपाल और अमरवती घेर पहुंचे तो जानवर थे चार बकरियां और एक आसपास आवारा कुत्ते मंडरा रहे थे। जांच में पता चला कि किसी अज्ञात जंगली या खतरनाक जानवर ने बांस के जाल और पॉलीथिन से बने अस्थायी घेर को नुकसान पहुंचाया था।घटना की जानकारी मिलने पर ग्राम प्रधान रुद्रप्रताप सिंह ने स्थानीय पशु चिकित्साधिकारी और क्षेत्र के लेखपाल को सूचना दी। उन्होंने कहा कि प्रशासन नुकसान का आकलन करेगा।परिवार और ग्रामीणों ने प्रशासन से आर्थिक मुआवजा देने की मांग की है। ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से भी मदद की मांग की।

जनगणना-2027 के प्रशिक्षण के दूसरे दिन 1789 प्रगणक और पर्यवेक्षक रहे उपस्थित

बहजोई/संभल (सब का सपना):- भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद सम्भल में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का चार्जवार प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को दूसरे दिन भी सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान निर्धारित 1802 कार्मिकों के सापेक्ष 1789 कार्मिक उपस्थित रहे जबकि 13 कार्मिक अनुपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को जनगणना से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां विस्तार से दी गईं। इसमें माता-पिता के विवरण दिव्यांगता मातृभाषा और अन्य भाषाओं की जानकारी साक्षरता शैक्षिक स्तर आर्थिक गतिविधियों तथा प्रवासन से संबंधित विवरणों के संकलन की प्रक्रिया समझाई गई। अधिकारियों और प्रशिक्षकों ने कार्मिकों को बताया कि जनगणना के दौरान प्रत्येक परिवार से प्राप्त होने वाली जानकारी को सावधानीपूर्वक और सही तरीके से दर्ज करना आवश्यक है। इसके साथ ही ढए मोबाइल ऐप के माध्यम से प्रश्न संख्या 1 से 30 तक की प्रविष्टियां दर्ज करने का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को मोबाइल ऐप पर विभिन्न जानकारियां भरने की प्रक्रिया समझाई गई तथा उनसे अभ्यास भी कराया गया ताकि जनगणना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रशिक्षण सत्र में प्रथम दिवस में दी गई जानकारियों का पुनरावलोकन भी किया गया। कार्मिकों की विषयों के प्रति समझ और जानकारी का आकलन करने के लिए प्रश्नोत्तरी परीक्षा आयोजित की गई। इसके माध्यम से प्रशिक्षण में शामिल कार्मिकों की तैयारी का मूल्यांकन किया गया। इस दौरान संबंधित उप जिलाधिकारियों और चार्ज अधिकारियों ने विभिन्न प्रशिक्षण स्थलों का भ्रमण किया।

उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता व्यवस्थाओं और प्रगति का जायजा लिया तथा प्रशिक्षण को प्रभावी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए सभी कार्मिकों को गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए गए।

पीएम किसान उत्सव दिवस पर हसनपुर में हुई कृषक गोष्ठी

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- उपसंभाग कार्यालय परिसर में पीएम किसान उत्सव दिवस पर कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान पीएम किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त के तहत 9.34 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में 18,680 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के हस्तांतरण का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में एसएमएस कपिल कुमार ने कृषि यंत्रीकरण, पीएम कुसुम, पीएम सूर्य घर समेत विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने किसानों से गौ आधारित प्राकृतिक खेती अपनाकर लागत कम करने और आय दोगुनी करने का आह्वान किया।

अध्यक्षता हरकेश सिंह व संचालन यशवीर सिंह ने किया। इस मौके पर प्रदीप कुमार, यशवीर, बाहुल कुमार समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

जनगणना-2027 को लेकर बनाया सेल्फी पॉइंट

सम्भल (सब का सपना):- जनगणना-2027 के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों को इस राष्ट्रीय कार्य से जोड़ने के उद्देश्य से जनपद सम्भल में आकर्षक सेल्फी पॉइंट बनाया गया है। इसके माध्यम से लोगों को जनगणना के महत्व के बारे में जानकारी देने और स्व-गणना के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है। जनगणना के द्वितीय चरण के अंतर्गत आयोजित प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सेल्फी पॉइंट विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। प्रशिक्षण में शामिल प्रगणकों और पर्यवेक्षकों ने यहां उत्साहपूर्वक तस्वीरें खिंचवाईं। इस पहल के माध्यम से उन्होंने जनगणना-2027 के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। साथ ही आमजन को भी इस राष्ट्रीय कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया।प्रशासन की ओर से जनगणना को लेकर विभिन्न स्तरों पर जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सेल्फी पॉइंट बनाने का उद्देश्य जनगणना अभियान को आमजन के बीच लोकप्रिय बनाना और लोगों को इससे भावनात्मक रूप से जोड़ना है। इसके माध्यम से विशेष रूप से युवाओं और प्रशिक्षण में शामिल कार्मिकों को जागरूकता अभियान का हिस्सा बनाया जा रहा है। जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी सम्भल अंकित खण्डेलवाल ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे जनगणना-2027 में सक्रिय भागीदारी निभाएं और स्व-गणना की सुविधा का लाभ उठाकर अपना विवरण स्वयं दर्ज करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता इस राष्ट्रीय कार्य को सफल बनाने में महत्वपूर्ण है। उन्होंने जनपदवासियों से यह भी अपील की कि वे अपने परिवार के सदस्यों रिश्तेदारों और आसपास के लोगों को स्व-गणना के प्रति जागरूक करें तथा उन्हें अपना विवरण स्वयं दर्ज करने के लिए प्रेरित करें। प्रशासन का प्रयास है कि जनपद का प्रत्येक नागरिक जनगणना की प्रक्रिया को समझे और इसमें अपनी जिम्मेदारी निभाए।जनगणना-2027 देश के लिए महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है। इसमें एकत्रित होने वाली जानकारियां भविष्य की योजनाओं और विकास कार्यों के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए जनपद सम्भल में जागरूकता अभियान को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है।

आत्महत्या की कोशिश कर रहे युवक को पुलिस ने बचाया, सीएचसी में कराया भर्ती

असमोली/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना असमौली क्षेत्र में यूपी-112 पुलिस की तत्परता और सूझबूझ से बिजली के टॉवर पर चढ़कर आत्महत्या करने का प्रयास कर रहे एक युवक की जान बचा ली गई। पुलिस कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से युवक को सकुशल नीचे उतारा और 108 एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) असमौली में भर्ती कराया। पुलिस की इस तत्परता की क्षेत्रीय लोगों और युवक के परिजनों ने सराहना की। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार दोपहर यूपी-112 पुलिस को थाना असमौली क्षेत्र के ग्राम असमौली से सूचना प्राप्त हुई कि करीब 24 वर्षीय एक युवक बिजली के टॉवर पर चढ़कर आत्महत्या करने का प्रयास कर रहा है। सूचना मिलते ही पीआरवी पर तैनात पुलिस कर्मियों ने बिना देरी किए घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। मौके पर युवक की पहचान विशाल पुत्र सुरेश, निवासी ग्राम असमौली, थाना असमौली, जनपद सम्भल के रूप में हुई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पीआरवी कर्मियों ने तत्काल थाना असमौली पुलिस और जनपद के कंट्रोल रूम को सूचना दी। इसके बाद पुलिस कर्मियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए स्थानीय लोगों की सहायता से युवक को सुरक्षित बिजली के टॉवर से नीचे उतारा। इसके बाद 108 एंबुलेंस की मदद से उसे सीएचसी असमौली में भर्ती कराया गया, जहां उसे आवश्यक उपचार के लिए पहुंचाया गया। मौके पर युवक के परिजनों को भी बुलाया गया।

यूपी-112 पुलिस की त्वरित कार्रवाई से युवक की जान बच गई। पुलिस कर्मियों के इस सराहनीय कार्य की स्थानीय लोगों ने प्रशंसा की, वहीं युवक के परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। पुलिस की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता ने एक बार फिर आपातकालीन परिस्थितियों में यूपी-112 की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया।

हल्दौर पुलिस ने चार आरोपियों को दबोचा, प्रतिबंधित नशीली दवाओं के साथ 13.99 लाख रुपये बरामद

बिजनौर (सब का सपना):- हल्दौर थाना पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली दवाओं की खरीद-फरोख्त और सप्लाई करने वाले कथित गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक लाख 800 प्रतिबंधित कैप्सूल, 7,200 अल्प्राजोलम की गोलियां, कोडीन सिरप की 30 शीशियां, 13 लाख 99 हजार 100 रुपये की नकदी, एक स्विफ्ट कार और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी कार के माध्यम से मेडिकल स्टोरों पर प्रतिबंधित नशीली दवाओं की सप्लाई करते थे। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराध की रोकथाम और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 30 अक्टूबर को हल्दौर पुलिस शरीफपुर नहर पुलिया पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक सफेद स्विफ्ट कार को रोकने का प्रयास किया तो उसमें सवार दो व्यक्ति भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर कार को रोक लिया और तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल, अल्प्राजोलम की गोलियां और कोडीन सिरप बरामद हुआ। मौके से हर्ष ढाका पुत्र संसार सिंह निवासी ग्राम जोगीओधा तथा रितिक कुमार पुत्र प्रमोद कुमार निवासी ग्राम मारूफपुर, थाना हीमपुर दीपा को गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपने दो अन्य साथियों के शेरपुर कल्याण अड्डे पर मौजूद होने की जानकारी दी। इस पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वहां स्थित यात्री शेड से सुहैल पुत्र गफ्फार अहमद निवासी मोहल्ला शाहचंदन, थाना चांदपुर तथा आयान पुत्र मोहम्मद नसीर निवासी ग्राम पीपली जट, थाना हीमपुर दीपा को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, चारों आरोपियों के कब्जे से कुल एक लाख 800 प्रतिबंधित कैप्सूल, 7,200 अल्प्राजोलम टैबलेट, कोडीन सिरप की 30 शीशियां, 13,99,100 रुपये नकद, घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट कार संख्या यूपी 16 एएम 5383 और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर प्रतिबंधित नशीली दवाओं की खरीद-फरोख्त और सप्लाई का कारोबार करने की बात बताई। पुलिस के अनुसार, आरोपी कार के माध्यम से मेडिकल स्टोरों पर नशीली दवाओं की सप्लाई करते थे और इससे होने वाले मुनाफे को आपस में बांट लेते थे।

इस मामले में थाना हल्दौर पर मुकदमा अपराध संख्या 291/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है तथा गिरोह से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

शेरकोट पुलिस ने चोरी के मामले में दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, बाल अपचारी भी अभिरक्षा में

डेढ़ लाख रुपये की नकदी और सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने का आरोप, 60 हजार रुपये व मोबाइल फोन बरामद

बिजनौर (सब का सपना):- शेरकोट थाना पुलिस ने घर में चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण, 60 हजार रुपये की नकदी और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में अन्य संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस के अनुसार, 29 अक्टूबर को कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के ग्राम इब्राहिमपुर खंडसाल निवासी अंकित त्यागी पुत्र बहादुर त्यागी ने शेरकोट थाने में तहरीर देकर बताया था कि 26 अक्टूबर को ग्राम मिजार्पुर स्थित उनकी बहन के घर की अलमारी का ताला तोड़कर अज्ञात चोर डेढ़ लाख रुपये की नकदी और सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए थे। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घटना के खुलासे के लिए टीम गठित की थी।शेरकोट पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ग्राम मिजार्पुर निवासी अनिल पुत्र अर्जुन और प्रियांशु त्यागी पुत्र राजीव त्यागी को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही एक बाल अपचारी को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पीली धातु का एक मंगलसूत्र, सफेद धातु की छह जोड़ी पायल, 60 हजार रुपये की नकदी और एक आईफोन बरामद किया है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने 26 और 27 अक्टूबर की रात एक घर की सेफ अलमारी का ताला तोड़कर नकदी और आभूषण चोरी किए थे। वारदात के दौरान एक आरोपी घर के अंदर जाकर चोरी कर रहा था, जबकि अन्य आरोपी बाहर खड़े होकर निगरानी कर रहे थे, ताकि किसी को उनकी गतिविधियों पर शक न हो। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) और 3(5) की बढ़ोतरी की है। मामले में पुलिस की अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

आठ माह के बच्चे को 1.80 लाख रुपये में बेचने के मामले में चार गिरफ्तार, बच्चा सकुशल बरामद

बिजनौर (सब का सपना):- मंडावली थाना पुलिस ने आठ माह के बच्चे को कथित रूप से 1.80 लाख रुपये में बेचने के मामले में चार वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बच्चे को भी सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में बच्चे के माता-पिता की भूमिका भी सामने आई है। पुलिस के अनुसार, पुत्र प्राप्ति की चाह में छह बेटियों के माता-पिता ने बच्चे को खरीदने का सौदा किया था। पुलिस के मुताबिक, ग्राम कोटावाली निवासी आराम सिंह ने 29 अक्टूबर को मंडावली थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि श्यामीवाला निवासी शमशेर और खुर्शीद तथा खुशहालपुर मठेड़ी निवासी देवराज सिंह और उसकी पत्नी सुनीता ने उसे डराया-धमकाया और उसके बच्चे को बेचने के मामले में संलिप्त रहे। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पूछताछ में शमशेर और खुर्शीद ने पुलिस को बताया कि आराम सिंह कई वर्षों से उनका ई-रिक्शा किराये पर चलाता था। नई ई-रिक्शा खरीदने के लिए रुपये की जरूरत बताने पर उन्होंने उसे अपने आठ माह के पुत्र को बेचने का सुझाव दिया और खरीददार उपलब्ध कराने की बात कही। पुलिस के अनुसार, दोनों ने देवराज सिंह और उसकी पत्नी सुनीता के माध्यम से बच्चे का सौदा 1.80 लाख रुपये में कराया था।वहीं, देवराज सिंह और सुनीता ने पूछताछ में बताया कि उनकी छह बेटियां हैं और पुत्र प्राप्ति न होने के कारण उन्होंने बच्चे को खरीदने का निर्णय लिया था। बच्चे की तबीयत खराब होने पर उसे अपनी रिश्तेदारी में ग्राम श्यामीवाला छोड़ दिया गया था। पुलिस ने वहां से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। मंडावली थाना पुलिस ने मामले में शमशेर पुत्र बुन्दु, खुर्शीद पुत्र अब्दुल निवासी श्यामीवाला तथा देवराज सिंह पुत्र झड़िया और उसकी पत्नी सुनीता निवासी खुशहालपुर मठेड़ी, थाना नगीना देहात को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अंतिम संस्कार से लौट रहे तीन लोगों की बुलेट खंभे से टकराई, दो की मौत

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा-ठाकुरद्वारा मार्ग पर कृष्णा होटल के पास शुक्रवार शाम भीषण हादसा हो गया। अंतिम संस्कार से लौट रहे तीन लोगों की बुलेट अनियंत्रित होकर खंभे से टकरा गई। हादसे में महेंद्र (65) पुत्र कृपाल निवासी लंबाखेड़ा व मदन सिंह (60) पुत्र भगवाना निवासी खाईखेड़ा की मौत हो गई, जबकि अनिल यादव (60) पुत्र पतराम निवासी कृष्ण रामपुर गंभीर घायल है। पुलिस ने घायलों को सीएचसी स्योहारा भिजवाया। हादसे के बाद दोनों गांवों में मातम पसर गया।

बाबा मस्तनाथ की पुण्यतिथि पर वार्षिक भंडारे का आयोजन, उमड़े श्रद्धालु

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के संतोषी माता मंदिर के समीप स्थित श्री जारदीवान महाराज मंदिर में बाबा मस्तनाथ जी की पुण्यतिथि पर वार्षिक भंडारे का आयोजन श्रद्धापूर्वक किया गया।

सुबह विशेष पूजा-अर्चना और श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद भंडारे का शुभारंभ हुआ। इसमें नगर व ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर पूरी, सब्जी, हलवा और कढ़ी-चावल का प्रसाद ग्रहण किया।

बाबा के जयकारों से पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। रोशन सैनी, ओमकार गिरी, मनोज गिरी और सोमनाथ सहित मंदिर समिति के सदस्यों के सहयोग से यह आयोजन सफल रहा। आयोजकों ने सभी का आभार जताते हुए हर वर्ष इसे जारी रखने का संकल्प लिया।

किराये के मकान में 323 किलो अवैध पटाखे बरामद, आरोपी फरार, तलाश में दो टीमें

एजेंसी

वाराणसी आजमगढ़ में पुलिस ने किराये के मकान से 323 किलो अवैध पटाखे बरामद किए हैं। छापेमारी के दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने दो टीमें गठित की हैं। पुलिस मकान में इतनी बड़ी मात्रा में पटाखे रखने के मकसद और उनके स्रोत का पता लगाने में जुटी है। आगामी त्योहारों के मद्देनजर अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में मुबारकपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। पुरारानी मोहल्ले में किराये के मकान से पुलिस ने करीब 323 किलोग्राम अवैध पटाखे बरामद किए। बरामद पटाखों की अनुमानित कीमत करीब दो लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो टीमें गठित की हैं। सी ओ सदर ईश्वर लाल गुर्जर ने बताया कि बृहस्पतिवार को सूचना मिली थी कि कस्बा मुबारकपुर के पुरारानी मोहल्ले में एक किराये के मकान में अवैध रूप से पटाखों का भंडारण किया गया है। प्रभारी निरीक्षक शशिचन्द चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मकान की तलाशी ली। इस दौरान एक कमरे से विभिन्न कंपनियों और ब्रांड के पटाखे बरामद हुए।

बरामद पटाखों में 1022 पैकेट फूलझड़ी, 119 पैकेट पाप-अप बम, 18 शॉट रॉकेट का एक पैकेट, 445 पैकेट मिर्ची बम, 150 पैकेट इलेक्ट्रिक क्रैकर, 17 पैकेट प्राइम क्रैकर्स, 12 पैकेट रॉकेट, 150 पैकेट चकरी, 265 पैकेट मिनी बुलेट बम, 149 पैकेट मैच बॉक्स और 150 पैकेट अनार शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि मकान सहर पत्नी समीर का है, जिसे गुलाब गुप्ता निवासी पुरारानी, मुबारकपुर ने किराये पर लिया था। बरामदगी के संबंध में थाना मुबारकपुर में विस्फोटक अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज किया गया है। आरोपी अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीमें गठित की गई हैं। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारिक और सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सदर ईश्वर लाल गुर्जर के पर्यवेक्षण में हुई। टीम में प्रभारी निरीक्षक शशिचन्द चौधरी, वरिष्ठ उपनिरीक्षक प्रदीप मिश्रा, उपनिरीक्षक आशुतोष मौर्या और उपनिरीक्षक प्रदीप वाजपेयी समेत पुलिसकर्मी शामिल रहे।

गलत दिशा से आ रहे टैंकर ने मारी बाइक को टक्कर, दंपती व मासूम समेत तीन गंभीर रूप से घायल

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद-धामपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कल्हेड़ी कट के पास सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार तेल के टैंकर ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार संदीप कुमार, उनकी पत्नी नीतू और मासूम बेटा अर्थव गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। विशाल कुमार की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी टैंकर चालक साबिर (निवासी सहारनपुर) के खिलाफ थाना नजीबाबाद में बीएनएस की सुसंगत धाराओं (FIR No. 0522/2026) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जाँच उपनिरीक्षक नकुल शर्मा द्वारा की जा

जासूसी-आतंकी वारदातों से जुड़े रहे हैं कानपुर के तार, पकड़े गए हैं कई आईएसआई एजेंट

एजेंसी

कानपुर। वर्ष 1995 के घंटाघर धमाके से लेकर आईएसआई एजेंटों की गिरफ्तारी, खुरासान मॉड्यूल, दिल्ली ब्लास्ट से जुड़े कार्डियोलॉजी डॉक्टर शाहीन नेटवर्क और 2021 के अंसार गजवात-उल-हिंद (अलकायदा) असलहा सप्लाई सिंडिकेट तक। कानपुर समय-समय पर आतंकी नेटवर्क और जासूसी गतिविधियों का केंद्र रहा है। कानपुर शहर से कभी पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तारियां हुईं कभी बम धमाकों में दहशत फैलाने वालों का नाम सामने आया। वहीं, आतंकी गतिविधियों की जांच के तार भी कानपुर तक पहुंचे। ताजा मामले में यूपी एटीएस ने कानपुर से अंकित संखवार को गिरफ्तार किया है। उस पर लाखों फर्जी ईमेल आईडी तैयार कर पाकिस्तान और बांग्लादेश में बैठे भारत विरोधी तत्वों को क्रिप्टो करेंसी के बदले बेचने का आरोप है। जांच एजेंसियों के अनुसार, इन आईडी का इस्तेमाल स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों को बम से उड़ाने की धमकी देने में किया गया। अब जांच का अहम सवाल यह है कि इन डिजिटल पहचानों के पीछे कौन लोग थे और उनका इस्तेमाल किन गतिविधियों में हुआ। इससे शहर से जुड़े सुरक्षा संबंधी सवाल फिर चर्चा में हैं। दिल्ली में हुए एक धमाके की जांच के दौरान कानपुर का बड़ा टेरर लिंक सामने आया। यूपी एटीएस और केंद्रीय एजेंसियों ने कानपुर के एलपीएस हृदय रोग संस्थान (कार्डियोलॉजी विभाग) के एक डॉक्टर को जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवात-उल-हिंद से जुड़े आतंकी डॉ. शाहीन के नेटवर्क का हिस्सा होने के आरोप में गिरफ्तार किया। वह कानपुर में

कैसे कर रहा था महंगा इलाज? मां बोली- बर्रा के दोस्त ने अंकित को फंसाया

एजेंसी

कानपुर। सेन पश्चिम पारा स्थित पीएम आवास (सकरारपुर) से यूपी एटीएस द्वारा गिरफ्तार किए गए अंकित शंखवार के मामले में उसकी मां सावित्री और परिजनों ने नए खुलासे किए हैं। मां का दावा है कि अंकित का आतंकी या गलत गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं है। बर्रा-आठ दामोदर नगर निवासी उसके एक दोस्त ने उसे फंसाया है, जो खुद गलत काम करता है। कानपुर में आतंकी गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप में यूपी एटीएस ने शनिवार को अंकित नामक युवक को सेन पश्चिमपारा थानाक्षेत्र के सकरारपुर से उठाया था। अब उसकी मां सावित्री ने बेटे को निर्दोष बताया है। कहा कि बर्रा-आठ दामोदर नगर में रहने वाला अंकित का दोस्त गलत काम करता है। अब अंकित को जबरन फंसाया जा रहा है। मूलरूप से सजेती थाना क्षेत्र के ग्राम अनोईया निवासी प्रहलाद संखवार पहले बर्रा के दामोदरनगर में किराये में रहते थे। उन्होंने 20 जुलाई 2025 को दो लाख रुपये में सेन पश्चिमपारा थानाक्षेत्र में सकरारपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना में ब्लॉक पांच में एक कमरे का फ्लैट खरीदा था। यहां प्रहलाद, पत्नी सावित्री, छोटे बेटे अंकित के साथ रहते हैं। घर खर्च चलाने के लिए प्रहलाद आज भी हाथ रिक्शा चलाते हैं और सावित्री मजदूरी करती हैं। वहीं, ब्लॉक तीन में उनका बड़ा बेटा अतीत, पत्नी ममता और दो बच्चों के साथ किराये का फ्लैट लेकर रहता है, जबकि मंझला बेटा धर्मेंद्र अरुणाचल प्रदेश में नगर निगम में संविदा में कार्यरत है। प्रहलाद ने बताया कि घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण अंकित को इंटर के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी।कहता था- शेयर मार्केट में पैसा लगा रहा कभी-कभी वह मजदूरी करता था। अंकित ने वर्ष 2021 में स्कूटी खरीदी थी। मोबाइल और लैपटॉप पर उसकी व्यस्तता देख घरवाले पूछते तो वह कहता था कि शेयर मार्केट में पैसा लगा रहा है, जिससे उसकी कुछ आमदनी हो जाती है। भाभी ममता ने बताया कि शनिवार को कॉलोनी में वह और अंकित घूम रहे थे तभी दो लोग आए और अंकित को लेकर चले गए थे। आवास योजना में फ्लैट दिलाने का आश्वासन दिया था बताया था कि पूछताछ के बाद छोड़ देंगे। बड़ा मुनाफा होने पर उसने बड़े भाई अतीत को भी आवास योजना में फ्लैट दिलाने का आश्वासन दिया था। बताया कि अंकित अपनी मां के लीवर और आंख का इलाज भी प्राइवेट अस्पताल में करा रहा था। पत्नी ममता ने बताया कि उनका फोन नहीं मिल रहा है। करवाचौथ के त्योहार पर भी वह नहीं आए। परिजन बोले- कानपुर के बाहर कभी नहीं गया पिता प्रहलाद का कहना है कि उनका बेटा अंकित कभी कानपुर से बाहर नहीं गया। मां सावित्री का कहना है कि उनका बेटा सिर्फ शेयर मार्केट में पैसा लगता था। उनको अभी भी भरोसा नहीं हो रहा है कि वह आतंकवादी गतिविधियों में शामिल था। चर्चा है कि अंकित शेयर मार्केट में ही

बकेवर पुलिस को सफलता, दो वारंटी गिरफ्तार कर भेजे जेल

फतेहपुर (सब का सपना):- एसपी के निर्देशन में चलाए जा रहे वारंटी अभियान के तहत थाना बकेवर पुलिस ने दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार अभियुक्तों में चैतू (65) पुत्र स्व. रंजीत गिहार व उसका पुत्र वीरेन्द्र (40) निवासी ग्राम बिजौली शामिल हैं। दोनों आबकारी अधिनियम से संबंधित मामलों में वांछित थे और इन पर आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। टीम में थानाध्यक्ष बृजेश कुमार यादव, उ.नि. कप्तान सिंह व हे.का. अभिषेक कुमार शामिल रहे।

एसपी ने परखी PET परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था, पुलिसकर्मियों को किया ब्रीफ

फतेहपुर (सब का सपना):- प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा PET-2026 को नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने गुरुवार को विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया। एसपी ने केंद्रों पर तैनात पुलिसकर्मियों की सतर्कता और मुस्तैदी को परखा तथा ड्यूटी में किसी प्रकार की शिथिलता न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी पुलिसकर्मी अपने ड्यूटी स्थल पर पूर्ण जिम्मेदारी से तैनात रहें, केंद्रों के आसपास भीड़ एकत्र न होने दें और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखें। अभ्यर्थियों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने तथा आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए तत्पर रहने के भी निर्देश दिए गए। एसपी ने कहा कि फतेहपुर पुलिस निष्पक्ष, पारदर्शी और भयमुक्त वातावरण में परीक्षा संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है और सभी केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था की सतत निगरानी की जा रही है।

डीएम-एसपी ने किया PET परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, नकलविहीन परीक्षा के दिए निर्देश

फतेहपुर (सब का सपना):- PET-2026 को नकलविहीन व निष्पक्ष संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स व एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने परीक्षा केंद्रों का संयुक्त निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी व चेकिंग प्रक्रिया का जायजा लिया और केंद्र प्रभारियों को शासन की गाइडलाइन का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसपी ने पुलिस बल को मुख्य द्वार पर सघन तलाशी के बाद ही प्रवेश देने, भीड़ नियंत्रित करने और यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के निर्देश दिए।

सगे भाई पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला करने का आरोपी गिरफ्तार, कुल्हाड़ी बरामद

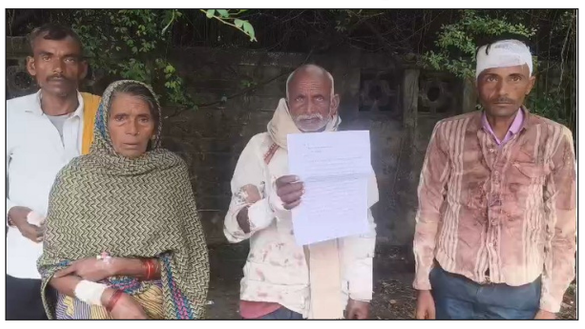

फतेहपुर (सब का सपना):- कल्यानपुर थाना पुलिस ने सगे भाई पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला करने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी राजेंद्र सिंह (58) पुत्र रघुनाथ सिंह, निवासी गुनीर थाना कल्यानपुर है। उसके खिलाफ मुकदमा संख्या 242/2026 के तहत बीएनएस की धारा 109(1), 115(2) और 352 में मुकदमा दर्ज किया गया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसके चाचा के लड़के दिनेश सिंह ने बेटी की शादी के समय उससे रुपये उधार लिए थे। आरोप है कि रुपये वापस मांगने को लेकर उसके भाई राजेश सिंह से विवाद हो गया। इसी दौरान गुस्से में आकर उसने पास में रखी कुल्हाड़ी से भाई पर हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घर के अंदर रखी कुल्हाड़ी बरामद की। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायालय में पेश करने के लिए भेज दिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक विवेक कुमार और कांस्टेबल प्रह्लाद शामिल रहे।

भावी पत्नी की कामना में साधु वेशधारी युवक ने रखा करवा चौथ का व्रत, कमासी गांव में चर्चा का विषय बना अनोखा व्रत

अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):- अमौली विकास खंड के ग्राम कमासी में करवा चौथ पर्व पर एक अनोखी घटना प्रकाश में आई है। जहां आमतौर पर सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीघार्यु के लिए व्रत रखती हैं, वहीं ग्राम कमासी निवासी 40 वर्षीय दिनेश वर्मा ने अपनी भावी पत्नी की लंबी उम्र और शीघ्र विवाह की मनोकामना को लेकर पूरे विधि-विधान से करवा चौथ का व्रत रखा। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनेश वर्मा पिछले कई वर्षों से साधु वेश में रहते हैं और एकाकी जीवन व्यतीत कर रहे हैं। विवाह की इच्छा मन में लिए उन्होंने दिनभर निर्जल व्रत रखकर शाम को पारंपरिक पूजन किया। परिवार में कोई सदस्य न होने के कारण गांव के लोगों ने ही परिवार की भूमिका निभाई। इस अवसर पर मनोज वर्मा, रघुराज वर्मा, देवीदीन वर्मा, रविंद्र वर्मा, अटल वर्मा, महेश खुराना, गोपाल पांडे, सुधीर वर्मा, रसिया बिलासी दिवाकर, विजय पाल सोनकर, विदेशी वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। पूजन के उपरांत दिनेश वर्मा ने उपस्थित ग्रामीणों को फल वितरित किए तथा यह संकल्प दोहराया कि जब तक उनका विवाह नहीं हो जाता, वह प्रतिवर्ष करवा चौथ का व्रत रखेंगे। ग्रामीणों ने भी उनका उत्साहवर्धन करते हुए हर वर्ष साथ देने का आश्वासन दिया। इस अनोखे व्रत को लेकर पूरे क्षेत्र में हंसी-ठिठोली के साथ चर्चा का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि कमासी गांव से पुरुषों के करवा चौथ की एक नई परंपरा की शुरूआत हुई है।

पुराने मुकदमे की रंजिश में परिवार पर हमला, बुजुर्ग दंपती समेत तीन घायल

फतेहपुर (सब का सपना):- हुसैनगंज थाना क्षेत्र के लोधौरा मजरे सिहार गांव में पुराने मुकदमे की रंजिश को लेकर एक परिवार पर हमला करने का मामला सामने आया है। गांव निवासी जगदीश लोधी ने पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक को प्रार्थना पत्र देकर सात लोगों पर लाठी-डंडे, भाला, रॉड और कुल्हाड़ी से हमला करने का आरोप लगाया है। पीड़ित के मुताबिक, 28 अक्टूबर की रात करीब आठ बजे आरोपी उनके दरवाजे पर पहुंचे और उनके पुत्र शत्रोहन पर पुराना मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने लगे। इनकार करने पर आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर जगदीश और उनकी पत्नी कमला देवी बीच-बचाव करने पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई। हमले में जगदीश, उनकी पत्नी और पुत्र घायल हो गए। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने मुकदमा वापस न लेने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। जगदीश के अनुसार, घटना के बाद वह घायलों को लेकर हुसैनगंज थाने पहुंचे, लेकिन उनकी शिकायत पर तत्काल मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि पुराने मामले में उनके पुत्र की पत्नी को गांव का ही एक युवक 28 जून को अपने साथ ले गया था, जिसको लेकर मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसी मामले को लेकर दूसरे पक्ष से रंजिश चल रही थी। पीड़ित ने एसपी से नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने, घायलों का मेडिकल परीक्षण कराने और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। मामले में पुलिस का आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है। आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

खूंटा पुल को मिली स्वीकृति, निर्माण के लिए 22.93 करोड़ रुपये को मिली मंजूरी. बिंदकी विधायक

फतेहपुर (सब का सपना):- जिले के बिंदकी तहसील क्षेत्र के ग्राम खूंटा से गढ़ी संपर्क मार्ग पर रिन्द नदी में खूंटा पुल निर्माण की मंजूरी मिलने से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। पूर्वमंत्री व वर्तमान विधायक जयकुमार सिंह जैकी के अथक प्रयास से पुल निर्माण के लिए 22.93 करोड़ रुपये की मंजूरी मिल सकी। बिन्दकी विधायक जयकुमार सिंह जैकी ने बताया कि इस महत्वपूर्ण जनसमस्या को सदैव मैंने अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखा और समाधान के लिए निरंतर प्रयास किया। आज मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष एवं संतोष हो रहा है कि इस जनहितकारी परियोजना के लि 22 करोड़ 93 लाख 85 हजार रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई है। यह पुल महज आवागमन का साधन नहीं, बल्कि हजारों ग्रामीणों की उम्मीदों, बच्चों के बेहतर भविष्य, किसानों की सुविधा और क्षेत्र की तरक्की का नया रास्ता बनेगा। वर्षों से जिस सुविधा की प्रतीक्षा क्षेत्रवासी कर रहे थे, वह अब साकार होने की दिशा में आगे बढ़ रही है। मेरे लिए जनप्रतिनिधि होने का वास्तविक अर्थ जनता की समस्याओं को समझना, उनकी आवाज को शासन तक पहुंचाना और उन्हें धरातल पर समाधान दिलाना है। बिंदकी के विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी।

जासूसी-आतंकी वारदातों से जुड़े रहे हैं कानपुर के तार, पकड़े गए हैं कई आईएसआई एजेंट

एजेंसी

कानपुर। वर्ष 1995 के घंटाघर धमाके से लेकर आईएसआई एजेंटों की गिरफ्तारी, खुरासान मॉड्यूल, दिल्ली ब्लास्ट से जुड़े कार्डियोलॉजी डॉक्टर शाहीन नेटवर्क और 2021 के अंसार गजवात-उल-हिंद (अलकायदा) असलहा सप्लाई सिंडिकेट तक। कानपुर समय-समय पर आतंकी नेटवर्क और जासूसी गतिविधियों का केंद्र रहा है। कानपुर शहर से कभी पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तारियां हुईं कभी बम धमाकों में दहशत फैलाने वालों का नाम सामने आया। वहीं, आतंकी गतिविधियों की जांच के तार भी कानपुर तक पहुंचे। ताजा मामले में यूपी एटीएस ने कानपुर से अंकित संखवार को गिरफ्तार किया है। उस पर लाखों फर्जी ईमेल आईडी तैयार कर पाकिस्तान और बांग्लादेश में बैठे भारत विरोधी तत्वों को क्रिप्टो करेंसी के बदले बेचने का आरोप है। जांच एजेंसियों के अनुसार, इन आईडी का इस्तेमाल स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों को बम से उड़ाने की धमकी देने में किया गया। अब जांच का अहम सवाल यह है कि इन डिजिटल पहचानों के पीछे कौन लोग थे और उनका इस्तेमाल किन गतिविधियों में हुआ। इससे शहर से जुड़े सुरक्षा संबंधी सवाल फिर चर्चा में हैं। दिल्ली में हुए एक धमाके की जांच के दौरान कानपुर का बड़ा टेरर लिंक सामने आया। यूपी एटीएस और केंद्रीय एजेंसियों ने कानपुर के एलपीएस हृदय रोग संस्थान (कार्डियोलॉजी विभाग) के एक डॉक्टर को जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवात-उल-हिंद से जुड़े आतंकी डॉ. शाहीन के नेटवर्क का हिस्सा होने के आरोप में गिरफ्तार किया। वह कानपुर में

46 करोड़ से बनेगा 10 किमी का रिंग बंधा, नदियों की कटान से अब निजात; चुनाव बहिष्कार की मिल चुकी

एजेंसी

वाराणसी। बलिया में सरयू नदी की कटान से शिवाल, गोपालपुर, वशिष्ठ नगर और मानगढ़ को बचाने के लिए 46 करोड़ रुपये की लागत से 10 किलोमीटर लंबा रिंग बंधा बनाया जाएगा। वहीं, गंगा और सरयू की कटान रोकने के लिए 300 करोड़ रुपये की परियोजना प्रस्तावित है। इस परियोजना को अभी स्वीकृति मिलने का इंतजार है। उत्तरी दीयरांचल के शिवाल, गोपालनगर व वशिष्ठ नगर, मानगढ़ को सरयू नदी की कटान से बचाने के लिए 46 करोड़ 8 लाख रुपये से 10 किमी का रिंग बंधा बनेगा। यह रिंग बंधा निष्प्रयोज्य पुरानी रेलवे लाइन से होकर देवपुर मठिया के पास टीएस बंधे से जुड़ेगा। बाढ़ विभाग के अनुसार बलिया डिविजन अंतर्गत चारों सबडिविजन में गंगा, सरयू की कटानरोधी कार्य के लिए कुल 300 करोड़ का डीपीआर तैयार हुआ है। बृहस्पतिवार को उक्त सभी डीपीआर मुख्य अभियंता की बैठक में पेश किए गए। अगर मुख्य अभियंता की बैठक में स्वीकृति मिली तो लखनऊ टीएसी के बैठक में स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। टीएसी की बैठक में स्वीकृति मिलने के बाद परियोजनाओं पर कार्य शुरू हो जाएगा। सहायक अभियंता आकाश यादव ने बताया कि सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन के पास निष्प्रयोज्य पुराने रेलवे स्टेशन को जोड़ते हुए शिवाल, गोपालनगर व वशिष्ठ नगर गांव को सुरक्षित करते हुए 10 किमी का रिंग बंधा देवपुर मठिया के पास टीएस बंधे से जुड़ेगा। इसके लिए 46 करोड़ 8 लाख रुपये का डीपीआर बना है। वहीं, बकुल्हा में एक से दो किमी तक बंधे की मरम्मत 9 करोड़ लाख, सुरेमनपुर में बंधे की मरम्मत 9 करोड़, नारायणगढ़ में 01.2 किमी तक मरम्मत 9 करोड़ , दतहा में 68.400 किमी से 68.600 किमी तक 3 करोड़ लाख से मरम्मत , भोज छपरा में 7 करोड़ लाख से कटान रोधी कार्य, महाराजपुर में स्पर निर्माण 7 करोड़, महाराजपुर कटान रोधी कार्य 9 करोड़, किमी 62 पर स्पर निर्माण 11 करोड़ से होगा। मुख्य अभियंता की बैठक में इसका डीपीआर पेश किया गया। कटान पीड़ित विस चुनाव बहिष्कार की दे चुके हैं चेतावनी शिवाल गांव के 35 लोगों का आशियाना तीन साल में सरयू नदी में समा गया। वहीं गोपालनगर टाड़ी में पांच वर्षों के अंदर 465 लोगों का आशियाना नदी में गिर गय। मौजूदा समय में गोपालनगर टाड़ी व शिवाल के दर्जनों लोगों का आशियाना कटान के मुहाने पर है। वहीं, वशिष्ठ नगर व गोपालनगर सिवान पर जबरदस्त कटान हो रही है। इस कटान स्थल से दो गांवों के सैकड़ों लोगों के आशियाना मुहाने पर है।

जलालाबाद में दो गुटों का खूनी संघर्ष, मारपीट का वीडियो वायरल

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के जलालाबाद में 29 अक्टूबर की रात पंचायत घर के पास दो गुटों (शेख सराय और वाहिद नगर) के युवकों के बीच जमकर मारपीट हुई। लगभग 15 से 20 युवकों द्वारा हुड़दंग और गाली-गलौज करने का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि अभी तक किसी पक्ष ने शिकायत नहीं दी है। पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

नजीबाबाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, दो युवक गंभीर रूप से घायल

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- स्थानीय क्षेत्र में आपसी कहासुनी को लेकर दो पक्षों के बीच हुई हिंसक झड़प में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्राम कलहेड़ी के कुछ युवकों के साथ किसी बात को लेकर हुई कहासुनी देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इस संघर्ष में मोहल्ला मोटा आम निवासी आलम (18) पुत्र शाहिद अहमद और मोहल्ला संतों मालान निवासी रिहान (22) पुत्र सहजाद गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजनों ने दोनों घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि पीड़ित परिवार की ओर से तहरीर मिल गई है। पुलिस मामले की बारीकी से जांच कर रही है, और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कैसे कर रहा था महंगा इलाज? मां बोली- बर्रा के दोस्त ने अंकित को फंसाया

एजेंसी

कानपुर। सेन पश्चिम पारा स्थित पीएम आवास (सकरारपुर) से यूपी एटीएस द्वारा गिरफ्तार किए गए अंकित शंखवार के मामले में उसकी मां सावित्री और परिजनों ने नए खुलासे किए हैं। मां का दावा है कि अंकित का आतंकी या गलत गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं है। बर्रा-आठ दामोदर नगर निवासी उसके एक दोस्त ने उसे फंसाया है, जो खुद गलत काम करता है। कानपुर में आतंकी गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप में यूपी एटीएस ने शनिवार को अंकित नामक युवक को सेन पश्चिमपारा थानाक्षेत्र के सकरारपुर से उठाया था। अब उसकी मां सावित्री ने बेटे को निर्दोष बताया है। कहा कि बर्रा-आठ दामोदर नगर में रहने वाला अंकित का दोस्त गलत काम करता है। अब अंकित को जबरन फंसाया जा रहा है। मूलरूप से सजेती थाना क्षेत्र के ग्राम अनोईया निवासी प्रहलाद संखवार पहले बर्रा के दामोदरनगर में किराये में रहते थे। उन्होंने 20 जुलाई 2025 को दो लाख रुपये में सेन पश्चिमपारा थानाक्षेत्र में सकरारपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना में ब्लॉक पांच में एक कमरे का फ्लैट खरीदा था। यहां प्रहलाद, पत्नी सावित्री, छोटे बेटे अंकित के साथ रहते हैं। घर खर्च चलाने के लिए प्रहलाद आज भी हाथ रिक्शा चलाते हैं और सावित्री मजदूरी करती हैं। वहीं, ब्लॉक तीन में उनका बड़ा बेटा अतीत, पत्नी ममता और दो बच्चों के साथ किराये का फ्लैट लेकर रहता है, जबकि मंझला बेटा धर्मेंद्र अरुणाचल प्रदेश में नगर निगम में संविदा में कार्यरत है। प्रहलाद ने बताया कि घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण अंकित को इंटर के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी।कहता था- शेयर मार्केट में पैसा लगा रहा कभी-कभी वह मजदूरी करता था। अंकित ने वर्ष 2021 में स्कूटी खरीदी थी। मोबाइल और लैपटॉप पर उसकी व्यस्तता देख घरवाले पूछते तो वह कहता था कि शेयर मार्केट में पैसा लगा रहा है, जिससे उसकी कुछ आमदनी हो जाती है। भाभी ममता ने बताया कि शनिवार को कॉलोनी में वह और अंकित घूम रहे थे तभी दो लोग आए और अंकित को लेकर चले गए थे। आवास योजना में फ्लैट दिलाने का आश्वासन दिया था बताया था कि पूछताछ के बाद छोड़ देंगे। बड़ा मुनाफा होने पर उसने बड़े भाई अतीत को भी आवास योजना में फ्लैट दिलाने का आश्वासन दिया था। बताया कि अंकित अपनी मां के लीवर और आंख का इलाज भी प्राइवेट अस्पताल में करा रहा था। पत्नी ममता ने बताया कि उनका फोन नहीं मिल रहा है। करवाचौथ के त्योहार पर भी वह नहीं आए। परिजन बोले- कानपुर के बाहर कभी नहीं गया पिता प्रहलाद का कहना है कि उनका बेटा अंकित कभी कानपुर से बाहर नहीं गया। मां सावित्री का कहना है कि उनका बेटा सिर्फ शेयर मार्केट में पैसा लगता था। उनको अभी भी भरोसा नहीं हो रहा है कि वह आतंकवादी गतिविधियों में शामिल था। चर्चा है कि अंकित शेयर मार्केट में ही

किस्तों वाले लैपटॉप से कमा रहा था डॉलर-क्रिप्टो

एजेंसी

कानपुर। सेन पश्चिम पारा स्थित पीएम आवास से यूपी एटीएस द्वारा पकड़े गए अंकित शंखवार (24) की गिरफ्तारी के बाद चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। किस्तों पर पुराना लैपटॉप लेकर चलाने वाला अंकित किसी स्लीपर मॉड्यूल की तरह काम कर रहा था। रिक्शा चालक पिता के मुताबिक, उसे अंदाजा भी नहीं था कि अंकित डॉलर और 6000 क्रिप्टो करेंसी में कमाई कर रहा है। भोली सी सूरत, साधारण पहनावा और एक कमरे के फ्लैट में रहने वाले अंकित को देखकर किसी को नहीं लगता था कि वह आतंकियों से जुड़ा स्लीपर मॉड्यूल भी हो सकता है। इस बात का पता जब उसके घरवालों को चला, तो उनके पैरों से भी जमीन खिसक गई। रिक्शा चलाने वाले पिता प्रहलाद मानने को तैयार नहीं हैं कि किस्तों पर पुराना लैपटॉप खरीदकर उसे चलाने वाले अंकित की कमाई डॉलर और क्रिप्टो में हो रही थी। एटीएस को अंकित के एक अकाउंट में 6000 क्रिप्टो करेंसी भी मिली है। पिता ने बताया कि छह माह पहले ही अंकित ने गोविंदनगर से एक पुराना लैपटॉप किस्तों में खरीदा था, जिसे वह रात-रात भर चलाया करता था। यह किसी को नहीं पता कि वह वीडियो गेम खेल रहा था कि देश के साथ आतंकी खेल। कानपुर में अंकित की तरह पहले भी कई बार स्लीपर मॉड्यूल एटीएस और एसटीएफ के हत्थे चढ़ चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, अंकित सुबह आठ बजे सोकर उठता और नौ बजे से मोबाइल पकड़ लेता था। कभी फ्लैट के दरवाजे पर तो कभी सड़क पर आकर वह अपने लोकल कनेक्शन से दोपहर तीन बजे तक बातें किया करता था। किसी को शक न हो इसलिए अंकित बीच-बीच में मजदूरी करने भी चलअंकित के बैंक अकाउंट कानपुर के अलावा किन-किन शहरों में हैं। दहेली सुजानपुर में अंकित के साथी कौन-कौन हैं। बर्रा में किस दोस्त पर परिजन उंगली उठा रहे हैं।

जानकारी

ये देसी टिप्स हटाएंगे, नवजात के शरीर से अनचाहे बाल

छोटे बच्चे की मांसपेशियों को मजबूती देने के लिए मसाज करना जरूरी होता है। तेल के एंटी-बैक्टीरियल गुण बच्चों को बीमारियों से बचाते हैं। इसके अलावा मालिश करने से बच्चे की त्वचा में नमी भी बरकरार रहती है। इसलिए जन्म से तीन महीने बाद ही मालिश के साथ शिशु को उबटन भी लगाना चाहिए। इस समय बच्चा की त्वचा थोड़ी ठीक हो जाती है और वह उबटन की मोटी परत आसानी से सहन करने योग्य हो जाता है।

बेसन का उबटन

शिशु के जन्म के समय उसके शरीर पर कुछ बाल होते हैं, जो बड़े होने के साथ-साथ ज्यादा घने होने शुरू हो जाते हैं। इसके लिए बेसन, हल्दी, बादाम का तेल, थोड़ा-सा पानी मिलाकर उबटन तैयार कर लें। इसकी छोटी-सी लोई लेकर बच्चे के शरीर पर हल्के हाथों से रगड़ें। इससे त्वचा में निखार भी आता है।

मलाई और बेसन का उबटन

बेसन में दूध की मलाई, चुटकी भर हल्दी और शहद मिलाकर उबटन तैयार कर लें। इसे बच्चे के शरीर पर लगाएं, बाद में गुनगुने पानी से बच्चे को पोंछ दें।

गेहूं के आटे का उबटन

कुदरती तरीके से बच्चे के शरीर के बाल उतारने का यह सबसे अच्छा तरीका है। दो चम्मच गेहूं के आटे में चुटकी भर हल्दी और देसी घी के 7-8 बूंद मिलाकर इसे गूंथ लें। इस लोई से गोलाकृति में बच्चे के शरीर पर घुमाएं, बाद में गुनगुने पानी से बच्चे को स्पंज करें।

बच्चे को उबटन लगाते समय बरतें ये सावधानियां

- बच्चे की मालिश हमेशा हल्के हाथों से करें।
- उबटन लगाने से पहले इस बात की जांच कर लें कि उसे कोई एलर्जी तो नहीं है।
- पूरे कपड़े उतारकर मसाज करने की बजाए पहले टांगों और बाद में शरीर के ऊपरी हिस्से की मसाज करें।
- सर्दी के मौसम में बच्चे की मसाज ध्यान से करें। इससे उसे ठंड लगने का डर रहता है।

ऐसे निखारें, अपनी गर्दन की खूबसूरती

खूबसूरत दिखने के लिए चेहरे की देखभाल के चक्कर में ज्यादातर लोग गर्दन को भूल जाते हैं। नतीजा, गर्दन और चेहरे की रंगत अलग-अलग। कैसे निखारें अपनी गर्दन की खूबसूरती, बता रहा है यह आलेख।

अपने ब्यूटी रुटीन में आप क्या करती हैंड क्लींजिंग, स्क्रबिंग, टोनिंग आदि। अलमारी का एक खाना महंगे उत्पादों से भरा भी हो सकता है, लेकिन ये सब सिर्फ चेहरे के लिए अपनी त्वचा और खूबसूरती की देखभाल के लिए है, क्या सिर्फ इतना काफी है। घबराइए नहीं, यहां कुछ और खर्चे की बात नहीं हो रही। बात सिर्फ एक भूल या नजरअंदाजी की है, जो आपकी खूबसूरती पर बट्टा लगा सकती है। ये भूल है आपके ब्यूटी प्रोडक्ट्स का चेहरे से नीचे न उतरना, यानी चेहरे पर फुल फोकस में गर्दन बेचारी मुंह ताकती ही रह जाती है। आपकी नजर इस पर तब जाती है, जब गर्दन आपकी खूबसूरती में फिट बैठने के लायक नहीं रह जाती। थोड़ी-सी देखभाल से आप गर्दन की खूबसूरती भी निखार सकती हैं।

कम उम्र से ही ध्यान देने की जरूरत

शरीर के अन्य भागों से गर्दन कुछ अलग होती है, वो इसलिए, क्योंकि इसके सेल्स शरीर के बाकी सेल्स जैसे नहीं होते। यहां की खाल बेहद पतली होती है और इसमें सिकुड़न जल्दी आ जाती है। इसको सही तरीके से समझाते हुए डर्मेटोलॉजिस्ट डॉक्टर बताते हैं कि गर्दन की डर्माइसिस पतली होने के कारण यहां कॉलेजन अधिक मात्रा में मौजूद नहीं रहता और यहां झुर्रियां जल्दी आने लगती हैं। यहां मौजूद मांसपेशियां किसी हड्डी से जुड़ी नहीं होती हैं, इस कारण यहां का मांस जल्दी लटकना भी शुरू हो जाता है। ये सब देर से हो, इसके लिए जरूरी है कि गर्दन की देखभाल कम उम्र से ही शुरू कर दी जाए।

व्यायाम से बढ़ेगी चमक

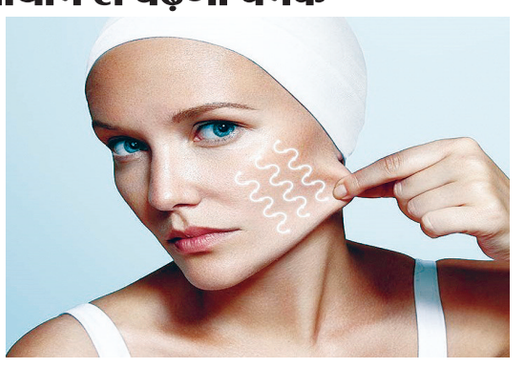

- बढ़ती उम्र का गर्दन पर जल्द और तेज असर नजर आने लगता है। चेहरे से पहले यहां की खाल और मांस ढीले पड़ने शुरू हो जाते हैं। इसके कसाव के लिए कुछ खास तरह के व्यायाम आपकी मदद कर सकते हैं। इसके लिए आपको अपने व्यायाम में गर्दन की स्ट्रेचिंग को शामिल करना होगा, जिन्हें आपको दिन में एक या दो बार करना होगा। इसके अलावा कुछ खास योगासन भी गर्दन की त्वचा में कसाव लाने में आपके लिए मददगार साबित होंगे। इनमें गर्दन को आगे-पीछे और दाएं से बाएं मोड़ना भी शामिल है।
- गलत तरीके से किया गया व्यायाम आपकी गर्दन में झटका ला सकता है, इसलिए इन्हें अच्छी तरह से समझकर ही करना चाहिए।

ब्यूटी रुटीन में इन्हें करें शामिल

अपने ब्यूटी रुटीन में आप जो देखभाल चेहरे की करती हैं, वैसी ही देखभाल गर्दन की भी करें। क्लींजिंग, स्क्रबिंग, टोनिंग, मॉइस्चराइजिंग की जरूरत गर्दन को भी चेहरे जितनी ही है। सामान्यतः आप चेहरे पर लगाए जाने वाले उत्पाद ही गर्दन पर लगा सकती हैं, लेकिन यदि समस्या ज्यादा है तो बाजार में खास गर्दन की देखभाल के उत्पाद भी मौजूद हैं। इन्हें आप किसी जानकार के सुझाव के बाद खरीद सकती हैं। अगर सनस्क्रीन लगा रही हैं तो गर्दन पर भी जरूर लगाइए। ब्यूटी रुटीन को चेहरे और गर्दन पर समान रूप से लागू करने से दोनों जगहों की त्वचा की रंगत में ज्यादा अंतर नहीं रहेगा।

ताकि काली न पड़े गर्दन

गर्दन का काला पड़ना एक आम समस्या है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनमें हार्मोन्स में बदलाव, सूरज की रोशनी में अधिक रहना, मोटापा, खराब हाइजीन, केमिकल युक्त कॉस्मेटिक, प्रदूषण या कुछ त्वचा संबंधी समस्या हो सकती है। कई बार गर्दन का कुछ खास तरीकों से काला पड़ना, आपकी सेहत संबंधी समस्याओं की ओर इशारा करता है। इसके लिए आपको चिकित्सीय मार्गदर्शन की जरूरत पड़ेगी, लेकिन सामान्य तौर पर काली पड़ने वाली गर्दन का उपचार आप घर पर ही कर सकती हैं।

- तरबूज और शहद के मिश्रण से गर्दन में मसाज करें।
- विटामिन-ई युक्त क्रीम लगाने से भी राहत मिलेगी। रात में सोने से पहले इस क्रीम से मालिश करें।
- दूध में केसर डालकर लगाने से कुछ ही हफ्तों में कालापन दूर होगा और त्वचा को नमी भी मिलेगी।
- 'एपल साइडर विनिगर में थोड़ा पानी मिलाकर उसमें रुई भिगोकर गर्दन पर रगड़ें। टैन, धब्बे और डेड स्किन से निजात मिलेगी।
- हल्दी और गुलाब जल को मिलाकर लेप लगाने से भी गर्दन की खूबसूरती में निखार आएगा।

सुझाव

रोने से दूर होता है डिप्रेशन

जानिए स्पेशल ट्रेनिंग

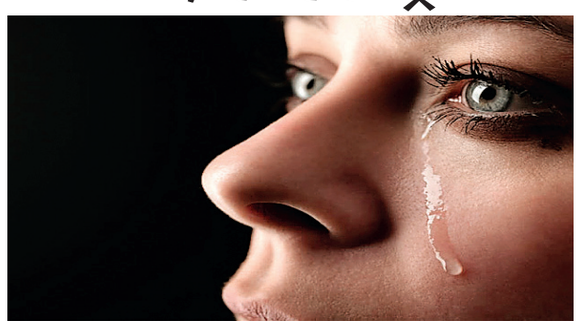

जापान में इन दिनों ऑफिस और स्कूल में लोगों को रोने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके लिए बाकायदा रोने की ट्रेनिंग देने के लिए टीचर्स भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। दरअसल, इसके पीछे की वजह है तनाव को कम करना, क्योंकि ऐसा माना जा रहा है कि खुशी और दुख के आंसुओं से तनाव कम होता है। आंसू तनाव से लड़ाई लेने में सेल्फ डिफेंस का काम करते हैं। गौरतलब है कि जापान जैसे दूसरे देशों ने हाल के कुछ वर्षों में मेंटल हेल्थ पर ध्यान देना शुरू किया है, जबकि 1990 तक डिप्रेशन के मुद्दे पर खुले तौर पर ज्यादा चर्चा नहीं होती थी। स्टडी के अनुसार, जापान के कर्मचारी अपने एंप्लॉयर्स से डिप्रेशन से जुड़ी बात करने के मामले में बहुत पीछे हैं।

सेहत के लिए फायदेमंद है रोना

हंसना सेहत के लिए अच्छा है, लेकिन रोना भी सेहत के लिए खराब नहीं है। आंसू भी तीन प्रकार के होते हैं, रेफलेक्सिव, कंटीनिअस और इमोशनल। तीसरे तरह के आंसू सिर्फ इंसान ही निकाल सकते हैं। इमोशनल क्राइंग बहुत ही फायदेमंद है।

आंखों को सुरक्षित रखते हैं आंसू

प्याज से एक रसायन निकलता है, जिससे सल्फ्यूरिक एसिड बनता है, जब यह आंखों की सतह तक पहुंचता है तो इससे छुटकारा पाने के लिए आंसू ग्रंथियां आंसू निकालती हैं, जिससे आंखों तक पहुंचा यह रसायन घुल जाता है। आंसुओं में लाइसोजाइम भी होता है जो एंटीबैक्टीरियल और एंटी वायरल है। यह आंखों को सुरक्षा प्रदान करता है।

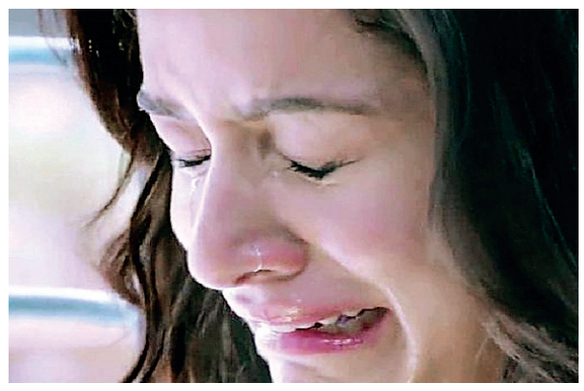

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर (मे जा जी खी खू खे खो गा गी)

थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 4055

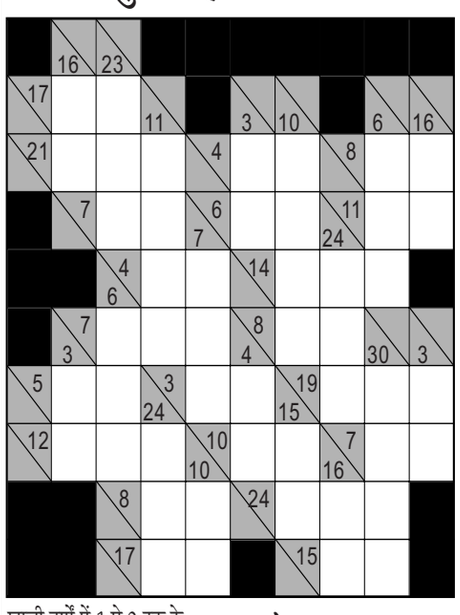

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

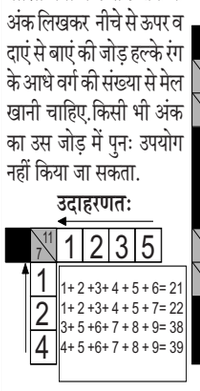

काकुरो - 4054 का हल

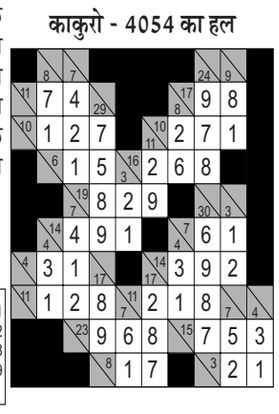

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

□ □ □

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

□ □ □

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4055

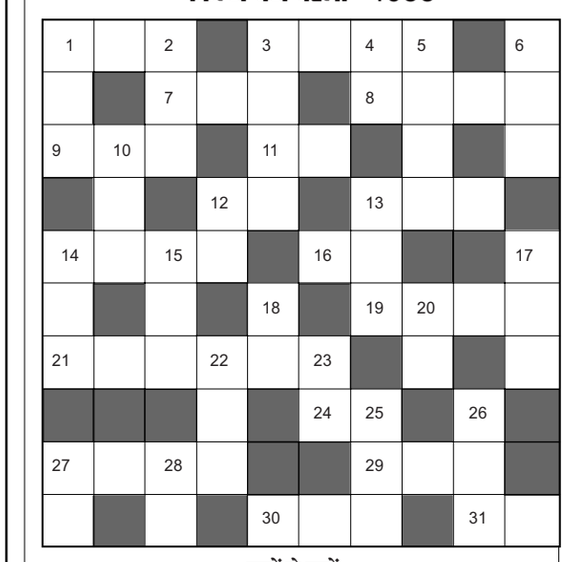

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4054

बं	ध	न		क्ष	त्रि	य		ज	खमी
दि		सी	मा		दे	श	प्रे	मी	
श	बा	ब		दे	व		म	न	
	बु		जो	श		बा	गी		खु
दौ	ल	त		द्रो	ही		त	ला	शी
ड़		ला		ही		पा		ट	
	रे	श	नी		आ	प	के	सा	थ
जं	ग		य	की	न			ब	
ग			त		बा	द	ल		जी
ल	की	र		डॉ	न		की	म	त

सूडोकु -4055

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 4054 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 4055

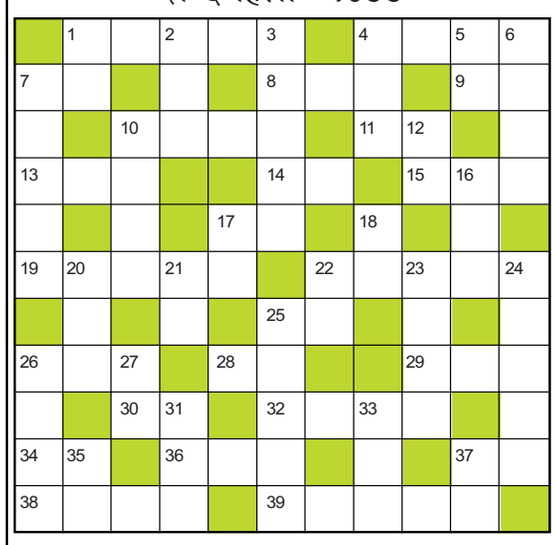

बाएँ से दाएँ

1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपडे की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे

1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली -4054 का हल

	व	र	दा	न		म	क	स	द		
म			न		अ		ल			नि	
न		ब्य	व	हा	र	कु	श	ल		य	
मा	न	व			दा			कि	म	त	
नी		था		आ	स	न		र	न		
	र		हा	रा		ह	त्या		का		
	क	वि		म	क	र		क		रा	
ह	म	ला			ल			म	वे	शी	
वे		प	र	व	र	दि	गा	र		फ	
ली			स		व		य			ल	
	र	ह	म	त		घ	ब	रा	ना		

फिल्म ओम में दमदार पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगी अभिनेत्री साई पल्लवी

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म ओम को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता बनी हुई है। इस फिल्म में तमिल सिनेमा के सुपरस्टार धनुष और मलयालम सिनेमा के महानायक ममूटी मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इसी बीच निर्माताओं ने फिल्म की प्रमुख अभिनेत्री साई पल्लवी के किरदार से पर्दा हटाकर प्रशंसकों के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है। साई पल्लवी इस फिल्म में नित्या रेड्डी नाम की एक जांबाज और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी। इस घोषणा के बाद से ही साई पल्लवी के नए और सख्त अवतार को देखने के लिए दर्शकों की बेताबी साफ नजर आ रही है। दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की मौजूदगी भी इस प्रोजेक्ट को और अधिक भव्य और प्रासंगिक बनाती है। फिल्म के शीर्षक के साथ चैप्टर 1 जोड़ा गया है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि यह एक बहुस्तरीय कहानी है और भविष्य में इसका सीक्वल भी दर्शकों के सामने आ सकता है। कुछ समय पहले जारी किए गए झलक वीडियो (टीजर) से यह साफ हुआ था कि फिल्म की मुख्य कहानी जंगलों में अवैध रूप से लाल चंदन की कटाई करने वाले मजदूरों और उनके संघर्षपूर्ण जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में धनुष एक लकड़हारे की भूमिका निभा रहे हैं। कहानी में मुख्य मोड़ तब आता है जब पुलिस अधिकारी अवैध कटाई में शामिल मजदूरों को हथियार के बल पर बंदी बना लेते हैं और धनुष उनके रक्षक बनकर सामने आते हैं। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी मेकर्स ने काफी सूझबूझ से निर्णय लिया है। पहले इस फिल्म को अक्टूबर महीने में प्रदर्शित करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन अभिनेता धनुष ने सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए अपनी फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ा दिया। इसके साथ ही, दिवाली के अवसर पर अन्य बड़ी फिल्मों के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए किसी भी तरह के व्यावसायिक टकराव से बचने के लिए निर्माताओं ने 20 नवंबर की तिथि को अंतिम रूप दिया है। धनुष और ममूटी जैसे दो विशाल अभिनेताओं का पहली बार एक साथ किसी प्रोजेक्ट में काम करना इस फिल्म को इस साल की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची में शामिल करता है।

लिटिल थॉमस को लेकर सुर्खियों में रसिका

अभिनेत्री रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी नई फिल्म लिटिल थॉमस को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म के संदर्भ में बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक दौर में भले ही तकनीक के सहारे बड़े बजट और भव्य सेट वाली फिल्में बन रही हों, लेकिन आम जिंदगी से जुड़ी सीधी और सरल कहानियों की अपनी एक अलग अहमियत होती है। फिल्म की कहानी एक छोटे बच्चे थॉमस की बाल सुलभ जिज्ञासा और उसकी मासूमियत के इर्द-गिर्द घूमती है। वह जानना चाहता है कि बच्चे कहां से आते हैं और अपने लिए एक भाई या बहन की चाहत रखता है। रसिका दुग्गल के अनुसार, बच्चों के सवालों और उनकी उत्सुकता को कभी कम नहीं आंकना चाहिए। दुनिया को बच्चों के नजरिए से देखना एक बेहद खूबसूरत अनुभव है। इस फिल्म में बचपन, पारिवारिक रिश्तों और वैवाहिक जीवन के उतार-चढ़ाव को सहज ढंग से दर्शाया गया है।

फिल्म सेट पर महिलाओं के मतभेद की धारणा को राधिका आप्टे ने बताया गलत

डिजिटल क्रिएटर से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया

बॉलीवुड की बहुमुखी अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही आगामी डिजिटल वेब सीरीज अक्का में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में उनके साथ दक्षिण भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री कीर्ति सुरेश भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में इस सीरीज के प्रचार के सिलसिले में बात करते हुए राधिका आप्टे ने फिल्म सेट पर महिला कलाकारों के आपसी संबंधों को लेकर वर्षों से चली आ रही रूढ़िवादी धारणाओं पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने उस प्रचलित सोच को पूरी तरह से खारिज कर दिया, जिसमें यह दावा किया जाता है कि जब दो महिला कलाकार किसी प्रोजेक्ट में एक साथ काम करती हैं, तो उनके बीच अक्सर अनबन, मनमुटाव या झगड़े होते हैं। राधिका आप्टे का मानना है कि किसी भी कार्यस्थल का माहौल किसी व्यक्ति के लिंग से तय नहीं होता, बल्कि यह लोगों के आपसी तालमेल और व्यवहार पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद पुरानी और आधारहीन सोच है कि महिलाएं आपस में तालमेल नहीं बैठा पातीं। अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने कहा कि कई बार पुरुषों में महिलाओं की तुलना में अधिक असुरक्षा की भावना देखी जाती है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह मुद्दा पुरुष या महिला होने का नहीं है, बल्कि यह विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत संबंधों और आपसी समझ का विषय है। किसी भी क्षेत्र में आप कुछ लोगों के साथ बहुत सहज महसूस करते हैं और आसानी से घुल-मिल जाते हैं, जबकि कुछ लोगों के साथ आपका मानसिक तालमेल नहीं बैठ पाता। वेब सीरीज अक्का के शूटिंग सेट का अनुभव साझा करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वहां का माहौल अत्यंत सकारात्मक और उत्साहवर्धक था। सेट पर कैमरे के सामने काम करने वाली स्टारकास्ट और कैमरे के पीछे काम करने वाली तकनीकी टीम में महिलाओं और पुरुषों की लगभग समान भागीदारी थी। उन्होंने कहा कि सेट पर एक बहुत ही खूबसूरत सिस्टरहुड यानी बहनों जैसा माहौल था, जिसने पूरी शूटिंग प्रक्रिया को बहुत सहज और आनंददायक बना दिया। इसके साथ ही राधिका आप्टे ने यह भी रेखांकित किया कि काम के सिलसिले में किसी के साथ अच्छा तालमेल होने का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि आप उनके बहुत गहरे मित्र बन जाएं। बिना करीबी दोस्त बने भी एक पेशेवर और गरिमापूर्ण माहौल में बेहतरीन काम किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि वेब सीरीज अक्का एक थ्रिलर गैंगस्टर ड्रामा है, जिसमें महिलाओं को मुख्यधारा में दिखाया गया है। इस सीरीज का निर्देशन धर्मराज शेट्टी ने किया है, जो इस शो के लेखक भी हैं। यह कहानी 1980 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित एक काल्पनिक दुनिया को दर्शाती है, जिसे पीढ़ियों से महिलाओं ने ही बनाया, चलाया और संरक्षित रखा है। यह बहुप्रतीक्षित सीरीज 30 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है।

अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने एक महत्वपूर्ण संदेश किया साझा

विभिन्न लोकप्रिय धारावाहिकों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने वाली अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने देश में सामाजिक सौहार्द, शांति और धार्मिक एकता बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश साझा किया है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने धर्म से सच्चा प्रेम करें, लेकिन साथ ही दूसरों के धार्मिक अकीदों और आस्थाओं का भी पूरा सम्मान करें। अपने बयान में अभिनेत्री ने हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों में हुए विरोध-प्रदर्शनों और आंदोलनों के कारण अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रतिकूल प्रभावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि त्योहारों के व्यस्त सीजन के दौरान ऐसे प्रदर्शनों के कारण व्यापारिक गतिविधियों को लगभग 3000 करोड़ रुपये का भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है, जो एक विकासशील देश के लिए काफी चिंताजनक है। पवित्रा पुनिया ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि कई लोग बुनियादी तथ्यों को समझे बिना ऐसी आर्थिक समस्याओं और आंकड़ों का सोशल मीडिया पर मजाक उड़ाते हैं। उन्होंने देश की जमीनी हकीकत पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जब कोई आम नागरिक दो वक्त की रोटी के लिए कड़ा संघर्ष कर रहा हो, तब इस तरह के गतिरोध देश के हित में नहीं हो सकते। उन्होंने युवा पीढ़ी (जेन जी) का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर सक्रिय कुछ प्रभावकारियों (इन्फ्लुएंसर्स) द्वारा फैलाई जा रही मनगढ़ंत बातों और भ्रामक जानकारियों से युवाओं को बचना चाहिए। युवाओं में अपार क्षमता और ज्ञान है, इसलिए उन्हें किसी के बहकावे में आकर अपनी सोच को दूषित नहीं करना चाहिए। एक सनातनी हिंदू होने पर गर्व व्यक्त करते हुए पवित्रा ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी भी अन्य समुदाय या धर्म के लोगों से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने भारत के सामाजिक ताने-बाने को याद दिलाते हुए कहा कि बांटो और राज करो की विभाजनकारी सोच कुछ स्वार्थी तत्वों की देन है, जो देश की मूल भावना के विपरीत है। अपने व्यक्तिगत जीवन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनके आसपास कई मुस्लिम परिवार रहते हैं और सभी लोग आपस में प्रेम, भाईचारे और शांति के साथ मिलकर रहते हैं। भारत की असली ताकत उसकी सांस्कृतिक विविधता और एकता का अनूठा बंधन है, जिसे हर कीमत पर सुरक्षित और अक्षुण्ण रखा जाना चाहिए।

इंडो-रशियन फिल्म से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कदम रखेंगी सैयामी खेर, भाषा की सीमाओं से परे जा किया काम

अभिनेत्री सैयामी खेर जल्द ही एक इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म के जरिए अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में अपना पदार्पण करने जा रही हैं। इस अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट के अपने अनुभवों को साझा करते हुए सैयामी ने बताया कि एक विदेशी क्रू के साथ मॉस्को में शूटिंग करना उनके लिए बेहद नया और रोमांचक अनुभव था। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों और संस्कृतियों के लोगों के साथ काम करने से कहानी को देखने और समझने का एक नया वैश्विक नजरिया मिलता है। सैयामी खेर के अनुसार भाषा और देश की सीमाओं से परे जाकर काम करना किसी भी कलाकार के लिए सीखने का बहुत बड़ा अवसर होता है। हालांकि उन्होंने फिल्म की विस्तृत कहानी का खुलासा नहीं किया, लेकिन बताया कि यह एक मजबूत महिला चरित्र पर आधारित गहन ड्रामा फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन रूसी निर्देशक मैक्सिम कुजनेत्सोव कर रहे हैं। सैयामी इससे पहले निर्देशक प्रियदर्शन की बहुचर्चित क्राइम थ्रिलर फिल्म हैवान में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में थे।

मां बनने के बाद शरीर में आए बदलावों और मानसिक संघर्ष पर करिश्मा तन्ना का छलका दर्द

हाल ही में मातृपद प्राप्त करने वाली मशहूर अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में होने वाले प्राकृतिक बदलावों और उससे जुड़ी मानसिक चुनौतियों पर बेहद संवेदनशीलता के साथ अपनी बात रखी है। उन्होंने स्वीकार किया है कि एक नन्हें शिशु को जन्म देने के बाद अपने बदले हुए शरीर को स्वीकार करना और उसके साथ सामंजस्य बिठाना कभी-कभी काफी कठिन और थकाऊ साबित होता है। अभिनेत्री ने अपने दिल के उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि कई बार उन्हें गर्भावस्था से पहले वाले अपने सुगठित शरीर की बेहद याद आती है। जब भी वह आईने के सामने खड़ी होती हैं, तो पेट का ढीलापन, त्वचा में आई शिथिलता और शारीरिक आकार में आए बदलाव उन्हें स्पष्ट नजर आते हैं। कपड़े खरीदने या तैयार होने की इच्छा भी ऐसे समय में अक्सर खत्म हो जाती है, जो किसी भी नई मां के लिए मानसिक रूप से काफी भारी पड़ सकता है। हालांकि, करिश्मा ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसी स्थितियों में खुद के प्रति कठोर होने के बजाय दयालुता का भाव रखना बेहद आवश्यक है। उन्होंने खुद को यह याद दिलाया कि उनके शरीर ने एक नए जीवन को जन्म दिया है और उसके विकास के लिए नौ महीनों तक सुरक्षित माहौल प्रदान किया है। शिशु के जन्म को अभी केवल ढाई महीने का समय ही बीता है, ऐसे में इतनी जल्दी पुरानी शारीरिक संरचना को वापस पाने की उम्मीद लगाना बेमानी है। करिश्मा का मानना है कि एक महिला एक ही समय में मां बनने के सुखद अनुभव के प्रति आभारी भी हो सकती है और साथ ही अपने पुराने स्वरूप को खोने का दर्द भी महसूस कर सकती है। यह दोनों भावनाएं बिल्कुल स्वाभाविक हैं और इन्हें स्वीकार किया जाना चाहिए। अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि जिस कोमलता और प्रेम की हकदार मांएं अपने बच्चों को मानती हैं, वही कोमलता उन्हें खुद अपने प्रति भी दिखानी चाहिए। वे अब अपनी शारीरिक बनावट की आलोचना करने के बजाय अपने शरीर को ठीक होने, मजबूत बनने और पुनः सहज महसूस करने का पूरा समय दे रही हैं। उन्होंने अन्य सभी माताओं को सांत्वना देते हुए कहा कि वे इस मानसिक और शारीरिक सफर में बिल्कुल अकेली नहीं हैं। गौरतलब है कि करिश्मा तन्ना और उनके पति वरुण बंगेरा ने इस वर्ष अप्रैल में अपने पहले बच्चे के आगमन की खुशखबरी साझा की थी, जिसके बाद जुलाई में उनके घर एक सुंदर बेटे का जन्म हुआ।

परिणीति के समर्थन में उतरीं जेनिफर

वेब सीरीज शक : ट्रस्ट नो वन की सफलता के उपलक्ष्य में आयोजित एक पार्टी के दौरान का वीडियो इंटरनेट पर वायरल होने के बाद अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। वायरल वीडियो में ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे परिणीति ने अपनी सह-कलाकार जेनिफर विंगेट को फोटो क्लिक कराने के दौरान नजरअंदाज किया। अब इस विवाद पर खुद जेनिफर विंगेट ने चुप्पी तोड़ी है और परिणीति चोपड़ा का समर्थन करते हुए सभी तरह की अफवाहों और ट्रोलिंग को खारिज कर दिया है। जेनिफर विंगेट ने स्पष्ट किया कि उनके और परिणीति के बीच किसी भी प्रकार की अनबन नहीं है। उन्होंने बताया कि पार्टी के दौरान मंच पर जगह की कमी थी, जिसके कारण वे स्वयं पीछे हट गई थीं। परिणीति हमेशा उनके प्रति बहुत ही दयालु और सम्मानजनक रही हैं। जेनिफर ने लोगों से अपील की कि वे इस साधारण सी बात को गलत रूप देकर नकारात्मकता न फैलाएं।

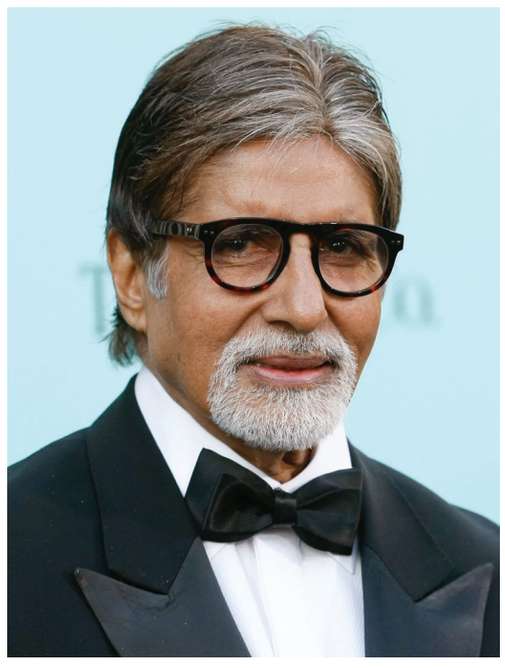

अमिताभ बच्चन ने पारंपरिक अंधविश्वासों पर उठाए सवाल कहा- आधुनिक पीढ़ी मानती है केवल वैज्ञानिक तर्क

भारतीय सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन अक्सर अपने विचारों और अनुभवों को अपने व्यक्तिगत ब्लॉग के माध्यम से प्रशंसकों के साथ साझा करते रहते हैं। अपने एक हालिया ब्लॉग पोस्ट में अमिताभ बच्चन ने समाज में गहराई से रची-बसी पुरानी परंपराओं, मान्यताओं और अंधविश्वासों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकांश लोग बिना किसी तर्क या अर्थ को समझे केवल पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही प्रथाओं का पालन करते आ रहे हैं। अपने इस लेखन में उन्होंने इस बात पर गहराई से प्रकाश डाला कि किस प्रकार समय बीतने के साथ इंसान की व्यक्तिगत इच्छाएं, सोच और जीवन को देखने का नजरिया पूरी तरह से बदल जाता है।

ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा कि इंसान के जीवन में एक ऐसा पड़ाव भी आता है जब वह उन सभी चीजों को दोबारा करना चाहता है, जिनसे उसे अतीत में रोका गया था। उन्होंने जीवन के बदलते चक्र का वर्णन करते हुए कहा कि एक समय में इंसान पूरी तरह से बेफिक्र होता है और फिर जीवन के उत्तरार्ध में वह दोबारा उसी बेफिक्री को पाना चाहता है। इंसान का दिमाग कई बार अजीब तरह से निर्णय लेता है, लेकिन यह प्रक्रिया इंसान को एक अलग प्रकार का मानसिक सुकून भी प्रदान करती है। परंपराओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने शनिवार को नाखून न काटने जैसी मान्यताओं का उदाहरण दिया। उन्होंने लिखा कि शनिवार को नाखून न काटने को अशुभ माना जाता है और यह प्रथा केवल अज्ञात डर के कारण आज भी समाज में अपनी जगह बनाए हुए है।

इसके साथ ही उन्होंने रत्नों से जुड़े अंधविश्वासों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने लिखा कि लोग कहते हैं कि हरा पत्थर मत पहनो, बल्कि उसकी जगह एक हरे रंग की शॉल अपने पास रख लो। इस पर सवाल उठाते हुए अमिताभ बच्चन ने पूछा कि उस निर्दोष पत्थर ने किसी का क्या बिगाड़ा है और पास में रखी हरी शॉल किसी व्यक्ति के लिए किस प्रकार लाभदायक साबित हो सकती है। इन खोखले तर्कों पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि डर के कारण लोग आज्ञाकारी बनकर इन प्रथाओं को स्वीकार करते रहते हैं। हालांकि, महानायक ने यह भी स्वीकार किया कि आज की आधुनिक पीढ़ी अंधविश्वासों को आंख मूंदकर स्वीकार नहीं करती है। वर्तमान पीढ़ी किसी भी प्रथा को अपनाने से पहले उसके पीछे के वैज्ञानिक, शारीरिक और मानसिक कारणों को समझती है। आज के युवा केवल उन्हीं परंपराओं और जीवनशैली को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाते हैं, जिनसे उनके स्वास्थ्य, मानसिक शांति और जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार हो सके।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।